सुविचार
व्यक्ति को कभी भी मौके का इंतजार नहीं करना चाहिए। क्योंकि जो आज है वो ही सबसे बड़ा मौका हैं।

साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech
RNI.NO. MPHIN/2015/76299
संपादक-नागेश नरवरिया

Mother's Basket
Kitchen Herbs & Spices
Swad jo pahuche dil tak

वर्ष 7, अंक-07 www.yupradesh.in भोपाल, शुक्रवार 25 मार्च 2022 ypnews24@gmail.com पृष्ठ -8 मूल्य 3 रुपये

अतीत

क्या हम अपने अतीत
से परिचित हैं,
क्या हम अपने अतीत
से
गौरांवित है,
धिक्कार है हमें,
हम अपने ही इतिहास
से वंचित हैं,
और इसीलिए तो हम
दुनिया के समक्ष
लज्जित है,
क्या हम अपने इतिहास
से परिचित हैं,
क्या हम अपने इतिहास
से
गौरांवित है,
सच क्या यह हम
जानते नहीं?
कोई बताना भी चाहे तो
हम मानते नहीं?
दुसरो ने जो लिख दिया
हम आंख मुंदकर
मान लिये
हमारी इसी कमी के
कारण
दुश्मन हर तरफ से
सुसज्जित है,
क्या हम अपने इतिहास
से परिचित हैं,
बुद्धिमान हैं वे
जिनके लिखे सभी
बातों
को हमने सच
मान लिये
उनके द्वारा लिखे बातों
पर
हमने कभी
कोई प्रश्न किये?
उनके हां में हां
करते गये
इसी कारण तों
हमारी हार
और उनकी जीत है
क्या हम अपने
अतीत से परिचित हैं
अब इतिहास
लिखना होगा,
हमें भी वह कला
सीखना होगा,
हमारा इतिहास
वास्तविक होगा
काल्पनिक चरित्रों से
मुक्त होगा,
सच ही सच से
युक्त होगा,
भावी पीढ़ी जिसे पढ
गौरांवित होगा,
मूलनिवासी समाज
का इतिहास
हरबोलो के मुंह
मौखिक है
जो सच है और
मौलिक है,
जिसे हमे करने
लिखित है
हां हम अपने अतीत
से परिचित हैं।
हा हम अपने
अतीत पर
गौरांवित है।

हरीश पांडल
विचार क्रांति

भूमि के अधिकार प्राप्त करने के लिए कब एवं किसे आवेदन किया जाता है जानिए/MP Land Revenue Code,1959....।

प्रत्येक व्यक्ति को अपने पूर्वज की संपत्ति का उत्तराधिकारी बनने का अधिकार प्राप्त होता है। पिता की संपत्ति पर पुत्र एवं पुत्री का अधिकार होता है जब कोई अपने पूर्वजों की भूमि संबंधित संपत्ति प्राप्त करने का अधिकार रखता है एवं किसी कारणवंश उसका पूर्वज की संपत्ति में नाम दर्ज नहीं है तब वह अपने अधिकार को प्राप्त करने के लिए किस प्रकार एवं कहाँ आवेदन करेगा जानिए सम्पूर्ण जानकारी।

मध्यप्रदेश भू राजस्व संहिता,1959 की धारा 109 की परिभाषा-
कोई भी व्यक्ति जो भूमि में अपना अधिकार रखता है वह अपना अधिकार प्राप्त करने के लिए अधिकार प्राप्त की तारीख से छः माह के-

1. भीतर ग्रामीण क्षेत्र में भूमि प्राप्त करने की दशा में पटवारी या भू राजस्व अधिकारी तहसीलदार को रिपोर्ट भेजेगा।
2. अगर व्यक्ति नगरीय क्षेत्र में भूमि पर अधिकार प्राप्त करना चाहता है तब नगर सर्वेक्षण या तहसीलदार को रिपोर्ट करेगा।

अगर कोई भूमि अधिकार प्राप्त करने वाला व्यक्ति अवयस्क हो तब उसके संरक्षक या उसकी सहमति से अन्य भारसाधक व्यक्ति द्वारा रिपोर्ट दी जाएगी अगर भूमि किसी भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,1908 के अधीन रजिस्ट्रीकृत हो गई है तब रजिस्ट्रीकरण अधिकारी उस क्षेत्र पर जहां भूमि स्थित हैं तहसीलदार को सम्पूर्ण जानकारी भेजेगा जैसी वह सूचना द्वारा मांगेगा। ऐसा व्यक्ति जिसने भूमि पर वर्तमान में अधिकार किया है या कोई व्यक्ति ऐसी भूमि का अधिकार प्राप्त करना चाहता है वह जो दस्तावेज वह उसके पास अधिकार संबंधित रखता है उनको पटवारी, नगर सर्वेक्षक, राजस्व निरीक्षक या राजस्व अधिकारी को मांगने पर प्रस्तुत करेगा। अगर कोई व्यक्ति उपर्युक्त अधिकारी अधिकार संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करता है तब तहसीलदार पाँच हजार रुपए तक का जुर्माना उस पर लगा सकता है।

महत्वपूर्ण जजमेंट-
प्रमोद कुमार गोयल बनाम मध्यप्रदेश राज्य,2016- उक्त मामले में न्यायालय द्वारा यह अभिनिर्धारित किया गया कि नगर पालिका की भूमि का बिना उसे संयोजन(मिलाव) किए निजी व्यक्ति के नाम से ट्रांसफर किया गया है ऐसा आदेश नगर पालिका पर बन्धकारक नहीं होगा। किसी भूमि के स्वामी के मालिकाना हक या कब्जा को किसी निजी व्यक्ति को अभिनिर्णीत करने का तहसीलदार को अधिकार नहीं हैं।

2. रघुवर कुशवाह एवं अन्य बनाम चंद्रमणि कुशवाहा एवं अन्य,2018 -उक्त मामले में न्यायालय ने अभिनिर्धारित किया कि पुत्र एवं पुत्रियों को हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम के तहत उनकी पैतृक संपत्ति में समान अधिकार प्राप्त है। ऐसी सम्पति प्राप्त के दावे में पुनः निरीक्षण अवश्य नहीं होता है।

नोट- विधवा पत्नी को पति की भूमि संबंधित संपत्ति प्राप्त करने का अधिकार प्राप्त होता है।

- लेखक बीआर अहिरवार(पत्रकार एवं लॉ छात्र होशंगाबाद) 9827737665

फिल्मकार विवेक अगनिहोत्री पहुंचे भोपाल

सीएम शिवराज संग स्मार्ट सिटी पार्क में किया पौधारोपण

भोपाल। कश्मीरी पंडितों के जबरन पलायन को दर्शाती फिल्म द कश्मीर फाइल्स के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री भोपाल शहर में हैं। सुबह कुछ देर पहले वह मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ स्मार्ट सिटी पार्क पहुंचे और पौधारोपण किया। मुख्यमंत्री के इस नियमित पौधारोपण कार्यक्रम में आज शहर में रहने वाले कश्मीरी परिवारों के लोगों ने भी हिस्सा लिया। यहां आज रोपे गए रुद्राक्ष के पौधे को शिव नाम दिया गया। वहीं बेल के पौधे को शारदा नाम दिया गया। यहां एक तीसरा पौधा भी लगाया गया। इसका नाम मुख्यमंत्री ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर श्यामा रखा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री शिवराज ने द कश्मीर फाइल्स जैसी फिल्म बनाने के लिए विवेक अग्निहोत्री की सराहना की और कहा कि विवेक जी मध्य प्रदेश के बेटे हैं। विवेक जी को धन्यवाद देता हूं कि हमारे कश्मीरी भाई-बहनों का जो दर्द कभी दुनिया के सामने नहीं आया उसे द कश्मीर फाइल्स के माध्यम से प्रकट किया। हमारे कश्मीरी भाई-बहन विवश हुए, मजबूर हुए अपनी मातृभूमि छोड़ने के लिए। लेकिन फिर भी उन्होंने अपने ज्ञान से विश्व को आलौकित करने का काम किया है हिम्मत नहीं हारी। मैं उनकी हिम्मत को प्रणाम करता हूं। पत्रकारों से बात करते हुए निदेशक विवेक अग्निहोत्री ने मुख्यमंत्री से राजधानी में जीनोसाइड म्यूजियम बनाने के लिए सहयोग की मांग की। इस पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हमारा आपको पूरा सहयोग है और राज्य सरकार जमीन मुहैया कराने सहित हर तरह से इस म्यूज़ियम के लिए मदद करेगी।

मेरा साथी

जब भी मन व्यथित हो,
पढ़ लिया करो ।
जीवन का रहस्य,
जान लिया करो।।
हर सुनहरे पन्नों में,
स्वर्ण अलंकार है।
अनंत जीवन गाथा है,
मनन कर लिया करो।।
जब भी मन व्यथित हो,
पढ़ लिया करो।।
वेद पुराणों में अटकल है,
जीवन की नौका पार नहीं।
मेरे ह्रदय में उद्धार है,
कभी कभी दीदार कर लिया करो,
जब भी मन व्यथित हो।
पढ़ लिया करो।।
हीरे -जवाहरात से परे हूं,
सफलता के सूत्र समाहित हूं।
ज्ञान की खान हूं,
खनन कर लिया करो।।
जब भी मन व्यथित हो
पढ़ लिया। करो।।
हर समस्या का उत्तर हूं।
मैं निर्थक नहीं।
गागर में सागर हूं,
मैं ढ़ाई आखर प्रेम का,
पढ़ लिया करो।
जब भी मन व्यथित हो,
पढ़ लिया करो।
जीवन का रहस्य,
जान लिया करो।।

अंशु कवि
नारायण
मासाब
नर्मदापुरम

योगी आदित्यनाथ के शपथ ग्रहण समारोह में फिल्मी सितारों से लेकर उद्योगपति तक

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को दूसरी बार उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। लखनऊ में होने वाला शपथ ग्रहण समारोह बेहग भव्य होगा। भाजपा इसकी तैयारी में जुटी है। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल होंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, उद्योगपति सहित कई मेहमान समारोह में शिरकत करेंगे। वहीं पार्टी के वर्तमान और पूर्व मुख्यमंत्री भी शामिल होंगे। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी इस समारोह में शामिल होंगे। फिल्म इंडस्ट्री से अक्षय कुमार, कंगना रनौत और बोनी कपूर को शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रण भेजा गया है। साथ ही द कश्मीर फाइल्स की टीम को भी बुलाया गया है। अनुपम खेर और विवेक अग्निहोत्री के कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है। शपथ ग्रहण समारोह 25 मार्च को शाम 4 बजे होगा। योगी आदित्यनाथ अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में शपथ लेंगे। इस स्टेडियम में टाटा आईपीएल 2022 के मैच भी खेले जाएंगे। मुख्य मंच में लगने वाले बड़े बैनर में पीएम नरेंद्र मोदी, सीएम आदित्यनाथ, जेपी नड्डा, अमित शाह और राजनाथ सिंह होंगे। मैदान में 20 हजार कुर्सियों लगाई गई हैं।

इंदौर पहुंची वर्ल्ड बैंक टीम, कलेक्टर मनीष सिंह से जाना कैसे शहर बना स्वच्छता में नंबर वन

इंदौर। वर्ल्ड बैंक टीम ने आज इंदौर के सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट और लगातार स्वच्छता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के संबंध में कलेक्टर मनीष सिंह के साथ चर्चा की। कलेक्टर ने टीम को बताया कि जनप्रतिनिधियों, मीडिया, प्रशासन और नागरिकों के सहयोग से इंदौर ने सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट में एक नया अध्याय लिखा है। वर्ल्ड बैंक की टीम ने बायो सीएनजी प्लांट से उत्पन्न की जा रही गैस एवं उससे संचालित की जा रही सिटी बस के बारे में जानकारी ली। टीम द्वारा इस टेक्नोलॉजी को देश के अन्य शहरों में बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार को सहयोग प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में आज वर्ल्ड बैंक की टीम ने इंदौर का दौरा किया और विस्तृत अध्ययन किया कि किस तरह इंदौर ने उत्तम गुणवत्ता के वेस्ट सैग्रीगेशन की सहायता से बायो सीएनजी प्लांट स्थापित कर हाई कैलोरीफिक वैल्यू की गैस का उत्पादन किया।

महिला कानूनी संवैधानिक अधिकार जानिए

आज हम आपको महिलाओं को प्रदत्त संवैधानिक व कानूनी अधिकारों के बारे में बताएंगे। भारतीय संविधान में महिला एवं पुरूष दोनों को समानता का अधिकार दिया गया है

भारतीय संविधान में महिलाओं के लिए अनुच्छेद-

1. अनुच्छेद 14 से 18 में देश के प्रत्येक नागरिक को समानता का अधिकार।
2. अनुच्छेद 15 (3) के अनुसार कोई बात राज्य की स्त्रियों एवं बालकों के लिए कोई विशेष उपबंध करने से निवारित नहीं करेगी।
3. अनुच्छेद 15 के अनुसार ही धर्म, जाति, लिंग आदि के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा।
4. अनुच्छेद 23 के अनुसार मानव का दुर्व्यापार, बेगार प्रथा इसी प्रकार का अन्य बलात श्रम प्रतिषिद्ध किया जाता है।
5. अनुच्छेद 24 के अनुसार 14 वर्ष से कम आयु के लड़के एवम लड़कियों को कारखाने या खान में या अन्य किसी परिसंकटमय नियोजन काम करवाना अपराध है।
6. **प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता का कानून-** अनुच्छेद 21 एवं 22 दैहिक स्वाधीनता का अधिकार प्रदान करते हैं एवं हर व्यक्ति को अपने शरीर एवं प्राण की सुरक्षा का हक है।
7. **स्वरोजगार का अधिकार-** संविधान के अनुच्छेद 16 में स्पष्ट शब्दों में लिखा गया है हर व्यस्क लड़की एवं महिला को कामकाज के बदले वेतन प्राप्त करने का अधिकार पुरुषों के बराबर है।

8.राजनीतिक अधिकार- कोई भी महिला चुनाव प्रक्रिया में भाग ले सकती है तथा वोट देने के लिए पुरुषों के समान अधिकार प्राप्त है।

7.संपत्ति का अधिकार- कोई भी बेटी अपने पिता की संपत्ति पर अपना अधिकार मांग सकती है तथा पिता भी अपनी इच्छा अनुसार अपनी संपत्ति अपनी पुत्री के नाम पर कर सकता है। महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराध को रोकने के लिए उसके जन्म से वृद्धावस्था तक कानून बनाये गए है जैसे ,भ्रूण हत्या ,लैंगिक अपराधों से बालको का संरक्षण अधिनियम,बाल विवाह निषेध अधिनियम ,दहेज प्रताड़ना अधिनियम,घरेलू हिंसा निवारण अधिनियम,परित्यक्त महिलाओं के लिए 125 CrPc के तहत भरण पोषण का अधिकार, किसी भी महिला की शादी के 7 वर्ष के भीतर संदेहास्पद परिस्थितियों में मौत होने पर कार्यपालिक मजिस्ट्रेट से जांच ,60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को सीनियर सिटीजन एक्ट के तहत अधिकार ,प्रत्येक जिले में महिला थाना ,थानो में महिला सेल की स्थापना,किसी भी स्थान/थाने में शून्य पर प्राथमिकी दर्ज करने का अधिकार हैं।

- लेखिका श्रीमती ज्योति सिंह चौहान(महिला सामाजिक कार्यकर्ता अलीगढ़ उत्तर प्रदेश)

Shot on OnePlus
By Singh Sahab

शाहिद दिवस पर मसाल जुलूस निकाल कर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

__अनुपपुर।__ राजनगर शहीद दिवस पर राजनगर के युवाओं द्वारा मसाल जुलूस निकालकर शहीद भगत सिंह राजगुरु सुखदेव की शहादत को नमन करते हुए इंकलाब के नारों के साथ बस स्टैंड से भगत सिंह चौक तक मशाल जुलूस एवं कैंडल मार्च निकाल कर शहीदों की शहादत पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई जिसमें राजनगर के सामाजिक कार्यकर्ता एवं नगर के युवाओं ने भारत माता इंकलाब जिंदाबाद के नारों के साथ भगत सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी जिसमें हरि शंकर दुबे,अमित सेनगुप्ता अश्वनी यादव,राहुल सिंह,हर्षित मणि तिवारी,राजू श्रीवास्तव आकाश गुप्ता,मनोहर जयसवाल पंकज विश्वकर्मा समय पटेल अशोक कुशवाहा,कृष्णा तिवारी तिलक राज चौधरी,रोहित जायसवाल,अभिषेक यादव,कैलाश अहिरवार,विपिन दुबे,गौरव मेहता,अयाज , मकसूद पिंटू सिंह संदीप दीवान सन्नी लहरे विनय केवट हरीश ठाकुर पवन कुशवाहा आदित्य , सिद्धार्थ सिंह गोलू समेत नगर के युवा एवं नागरिक उपस्थित रहे।

अमहर में ग्रामीणों के बीच पहुंचे कलेक्टर, एसपी एवं सीईओ, शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की ली जानकारी'

- **आरईओ को 31 मार्च तक सभी किसानों के ई-केव्हायसी कराए जाने के दिए निर्देश'**
- **ग्राम पंचायत कसरा में ग्राम सेवक की शिकायत पर लगाई फटकार'**

कोरिया। कलेक्टर श्री कुलदीप शर्मा ने आज एसपी श्री प्रफुल्ल ठाकुर एवं जिला पंचायत सीईओ श्री कुणाल दुदावत के साथ जिले के विकासखण्ड बैकुण्ठपुर के ग्राम पंचायत अमहर में ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने ग्रामवासियों से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी लेते हुए पटवारी, ग्राम सेवक एवं सचिव की उपस्थिति एवं कार्यों के विषय मे जानकारी ली। कलेक्टर श्री शर्मा ने ग्रामीणों से राजस्व प्रकरणों नामांकन सीमांकन, बंटवारा, फौती नामांतरण के समस्याओं पर चर्चा करते हुए कहा कि अपनी समस्याएं खुलकर बताएं जिससे जिला प्रशासन द्वारा आपकी समस्याओं का समाधान समय पर किया जा सके। गांव में बिजली की समस्या पर ग्रामीणों ने ट्रांसफार्मर की मांग की, जिसपर उन्होंने जल्द से जल्द निराकरण किए जाने के लिए ग्रामीणों को आश्वस्त किया। धान खरीदी एवं भुगतान के संबंध में पूछे जाने पर एक किसान ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि उन्होंने 14 क्विंटल धान का विक्रय उपार्जन केन्द्र में किया था जिसका 3 दिन के भीतर ही भुगतान मिल गया। एसपी श्री प्रफुल्ल ठाकुर ने गांव में सुरक्षा व शांति व्यवस्था की जानकारी ली। जिला पंचायत सीईओ ने लोगों से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत ई-केवाईसी कराने की जानकारी दी एवं उन्होंने किसानों को वर्मी कम्पोस्ट के निर्माण, उपयोगिता और लाभ पर चर्चा की।

आरईओ को 31 मार्च तक सभी किसानों के ई-केव्हायसी कराए जाने के दिए निर्देश-' कलेक्टर श्री शर्मा ने ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी से किसानों के ई-केव्हायसी 31 मार्च तक पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए एवं कहा कि समय सीमा में कार्य पूर्ण नही किए जाने पर यथोचित कार्रवाई की जाएगी।

'ग्राम पंचायत कसरा में ग्राम सेवक की शिकायत, लगाई फटकार: ग्राम पंचायत कसरा में औचक निरीक्षण में पहुंचे कलेक्टर ने ग्राम पंचायत कार्यालय में ग्रामीणों से मुलाकात की। इस दौरान ग्रामीणों ने ग्राम सेवक के कार्यों में लापरवाही की शिकायत की। कलेक्टर ने त्वरित संज्ञान लेते हुए ग्राम सेवक को कार्यशैली में सुधार लाने के निर्देश देते हुए फटकार लगाई। कलेक्टर ने ग्राम सेवक को गांव के सभी किसानों के ई-केवाईसी पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

छात्र -छात्राओं ने शहीद दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया

भोपाल। जिला की तहसील बैरसिया में महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट बेरसिया के छात्र छात्राओं ने आज 23 मार्च शहीद दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया 91 साल पहले यानी 23 मार्च 1931 को आज ही के दिन भगत सिंह और उनके साथी राजगुरु सुखदेव को फांसी दी गई थी। उनकी शहादत को देश का हर नागरिक सच्चे दिल से सलाम कर रहा है। भारत को आजाद कराने के लिए इन वीर सपूतों ने हंसते हंसते मौत को गले लगा किया था रामबाबू जाटव ने बताया भगत सिंह ,राजगुरु और सुखदेव भारत के वे सच्चे सपूत थे जिन्होंने अपनी देशभक्ति और देशप्रेम को अपने प्राणों से भी अधिक महत्व दिया और मातृभूमि के लिऐ लड़ते हुए अपने प्राणों को हंसते हंसते न्यौछावर करने वाले तीन वीर सपूतों का शहीद दिवस यह दिवस न केवल देश के प्रति सम्मान और हिंदुस्तानी होने वा गौरव का अनुभव कराता है बल्कि वीर सपूतों के बलिदान को भीगे मन से श्रद्धांजलि देता है इस मौके पर अलोक दांगी रामबाबू जाटव गोलू सर आरती कुशवाह मैडम बंटी जाटव द्धह्र जगदीश पटेल कपिल अहिरवार राकेश दांगी अरुण राजपूत बंटी गोस्वामी राजा मेहर ओमप्रकाश गुर्जर अजय कुशवाह मोनिका विश्वकर्मा कविता अहिरवार ज्योति वर्षा यादव संजना यादव वृंदा दांगी भारती मीणा नेहा मीणा रवि कुशवाह आदि अन्य समस्त छात्र छात्राओं गण मौजूद रहे।

भाजपा मंडल मीडिया प्रभारी के द्वारा विद्युत व्यवस्था सुधार कार्य एवं मौहारपारा मे यात्री प्रतीक्षालय की मांग को लेकर अनुविभागीय दंडाधिकारी सहित मुख्य नगरपालिका अधिकारी के नाम सौंपा ज्ञापन

कोरिया। हम आपको बता दें कि भाजपा मंडल मीडिया प्रभारी मनेंद्रगढ़ यीशै दास के द्वारा मुख्य नगरपालिका अधिकारी मनेंद्रगढ़ के नाम ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि स्थानीय मौहारपारा गोपाल शीत ग्रह के समीप यात्री प्रतिक्षालय ना होने की वजह से आम जनमानस सहित राहगीरों को उचित व्यवस्था नहीं मिल पा रही है उक्त वजह से राहगीरों को मजबूर वश हो सड़क किनारे ही खड़ा होना पड़ता है उक्त वजह से आए दिन राहगीरों को दुर्घटना होने का भय भी बना रहता है जिसका जीता जागता उदाहरण अभी वर्तमान में ही यात्री प्रतीक्षालय ना होने की वजह से एक क्व्द्स्त्र स्टूडेंट की सड़क पर ही खड़े होने की वजह से दर्दनाक मौत हो गई अगर यात्री प्रतीक्षालय होता तो शायद उसकी जान बच सकती थी आगामी भीषण गर्मी को मद्देनजर रखते हुए उक्त ज्ञापन के माध्यम से श्री दास के द्वारा मांग की गई है कि जल्द से जल्द यात्री प्रतिक्षालय हेतु जगह चिन्हित कर बनवाए जाने की महान कृपा करें उक्त क्रम में अनुविभागीय दंडाधिकारी राजस्व के नाम पत्र में मंडल मीडिया प्रभारी के द्वारा उल्लेख किया गया है कि बिजली विभाग की लचर व्यवस्था की वजह से वार्ड वासियों को हो सकती है परेशानियां क्योंकि इसलिए ऐसा कहना पड़ रहा है कि मौहारपारा वार्ड क्रमांक 5 में बिजली का झूला हुआ तार से कभी भी हो सकती है बड़ी जनहानि पूर्व में भी हो चुके हैं हाल से जिसे जल्द से जल्द बनवाए जाने की मांग भी श्री दास के द्वारा किया गया है तथा उक्त ज्ञापन मे झूले हुए बिजली तार की छाया प्रति फोटो भी संगलन करते हुए जल्द से जल्द बनवाए जाने की मांग की गई है एवं गोपाल शीत गृह में यात्री प्रतीक्षालय मांग भी अनुविभागीय दंडाधिकारी राजस्व के नाम ज्ञापन के माध्यम से किया गया है मांग पूरी ना होने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी गई है उक्त ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रमुख रूप से उपस्थित मुकेश सोनकर, साहिल पटवा, विकास रजक उपस्थित रहे।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर
ब्लड सेंटर
चिकित्सालय नरसिंहपुर

रक्तदान कर मनाया 37 वां जन्मदिन

उदयपुरा। अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन भारत की मध्यप्रदेश इकाई के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री अतरसिंह भारतीय ने प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी अपना जन्मदिन रक्तदान कर मनाया। ज्ञातव्य हो कि 20 मार्च 2022 को 37 वा जन्मदिन 110 किलो मीटर की दूरी तय कर जिला अस्पताल नरसिंहपुर की ब्लड बैंक में रक्तदान किया। श्री भारतीय ने युवा प्रदेश को बताया कि हरेक स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान करना चाहिए। ताकि किसी भी व्यक्ति की खून की कमी के कारण मौत न हो और शीघ्र ही आसानी से उपलब्ध भी हो सकेगा। उन्होंने कहा कि समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता और सकारात्मक सोच पैदा करना हमारा उद्देश्य है। आज 5वीं बार रक्तदान के बाद आत्मिक सुख, शांति और आनंद मिला आने वाले समय में भी रक्तदान करते रहेंगे। रक्तदान स्वयं के शरीर के लिए भी फायदेमंद होता है। जन्मदिन की बधाई और शुभकामनाएं देने वाले लोगों में प्रमुख रूप से अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन भारत के राष्टीय अध्यक्ष एवं अंतरराष्टीय प्रचारक परम पूज्य श्री श्री 108 श्री सुखदेव बाघमारे जी, मध्य प्रदेश प्रभारी पूज्य श्री धननालाल जोनवाल जी, प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट धनसिंह अहिरवार, प्रदेश महासचिव माधव सिंह अहिरवार, वरिष्ठ नेता श्री हेमंत नरवरिया, युवा नेता रमन बामने सहित मध्यप्रदेश के रायसेन, विदिशा, भोपाल, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, सागर, छिंदवाड़ा, बालाघाट, टीकमगढ़, राजगढ़, दमोह, जबलपुर, कटनी, रीवा, सतना, भिंड, मुरैना, ग्वालियर, गुना, अशोकनगर, धार, झाबुआ, बड़वानी, रतलाम, इंदौर, उज्जैन, खण्डवा, बैतूल, हरदा जिले और भारत के विभिन्न राज्यों के कई संगठनों के लाखों कार्यकर्ता सामिल हैं। जिनका उपाध्यक्ष भारतीय ने विनम्रतापूर्वक हार्दिक आभार प्रकट किया है।

प्रभारी सीएमओ ने कर्मचारियों को लगाई फटकार

नर्मदापुरम। बीते एक माह से सब्जी बाजार और फल बाजार व्यवस्थित स्थानों पर लग रहा था। प्रभारी सीएमओ शैलेंद्र बढ़ोनिया का थोड़ा सा ध्यान कम हुआ तथा पर्वों के कारण कुछ कर्मचारी अवकाश पर रहने से सब्जी और फल वाले सड़कों के इर्द गिर्द दुकानें लगाना शुरू करने लगे हैं। प्रभारी सीएमओ के द्वारा जब सड़कों की ओर जाना हुआ तो उन्हें अनेक दुकाने सड़कों पर लगते हुए दिखाई दी। उन्होंने नपा के उन कर्मचारियों को फटकार लगाई जिनकी ड्यूटी बाजार व्यवस्थित करने के लिए लगाई गई है। गुरुवार को नपा के कर्मचारियों ने एक बार फिर सड़कों पर आए दुकानदारों को वहां से खदेड़ना शुरू किया।

मवेशियों को पहुंचाया गोशाला

कुछ दिनों से सड़कों से मवेशियों को गोशाला पहुंचाने का अभियान सुस्त था गुरुवार को सुबह के समय सतरस्ता सहित कुछ अन्य स्थानों पर आए पशुओं को नपा के हाकादल के द्वारा पकड़कर गोशााला पहुंचाया गया। नपा के कर्मचारियों ने बताया कि इसी तरह अब पशुओं को पड़कर गोशाला पहुंचाया जाएगा।

नगर पालिका में मची अफरा-तफरी

नर्मदापुरम। नगर पालिका कार्यालय में बीते दो दिन से अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ है। बुधवार को सायं 4 बजे के करीब जब प्रभारी सीएमओ तहसीलदार शैलेंद्र बढ़ोनिया ने औचक निरीक्षण करने के लिए पहुंचे तो कई कर्मचारी अपनी कुर्सी से गायब थे। कमयों ने हाजिरी रजिस्टर पर हस्ताक्षर नहीं करे थे। जैसे ही कर्मचायिों को पता चला कि प्रभारी सीएमओ नपा कार्यालय में आए तो जो जहां था वहां से भागते हुए आए और हाजरी रजिस्टर पर हस्ताक्षर कर रहे थे। इसके बाद भी कुछ कर्मचारियों के कुछ दिनों से बिना अवकाश लिए गायब रहने तथा रजिस्टर हस्ताक्षर नहीं होने पर प्रभारी सीएमओ बढ़ोनिया ने कारण बताओ नोटिस जारी करने को कहा है। गुरुवार को नपा की एक कर्मचारी के द्वारा सातवे वेतनमान तथा अन्य मांगें पूरी नहीं होने पर तथा कुछ आपसी विवाद के कारण रेलवे स्टेशन की ओर भागने की सूचना मिली तो उसके पीछे-पीछे कुछ अन्य कर्मचारी भी भागते हुए पहुंचे। उसे रेलवे पटरी से वापस लेकर आए। इस तरह दो दिनों से नपा में अफरा-तफरी का माहौल है।

शासकीय कार्यालयों में पुरानी व्यवस्था शुरू करने की मांग

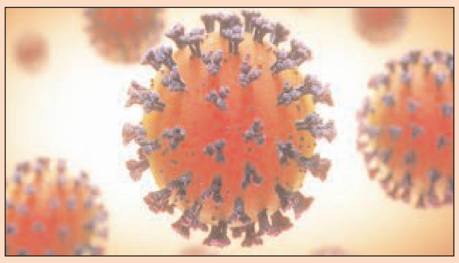

नर्मदापुरम। एक तरफ शासन प्रशासन के द्वारा कोविड संबंधी सभी बंदिशों को हटाया जा रहा है। वहीं शासकीय कार्यालयों को छह दिनों की बजाए पांच दिन का ही किया जा रहा है। इस बात को लेकर शहर के अनेक लोगों ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए प्रदेश शासन से मांग की है कि अब कोविड की बंदिशें समाप्त हो गई तो कार्यालयों में क्यों और किस कारण से दो दिन का अवकाश किया जा रहा है। नागरिक कह रहे हैं कि फरवरी से ही शासकीय कार्यालयों को छह दिन का कर देना चाहिए था। वरिष्ठ समाजसेवी बी ईश्वर कुमार, दिनेश गौर, संतोष केवट, केशव शर्मा, दीपचंद सहित अनेक लोगों ने कहा कि राज्य शासन द्वारा कोविड.19 महामारी के रोकथाम एवं बचाव के संबंध में सम्पूर्ण प्रदेश के शासकीय कार्यालयों के कार्य दिवस सप्ताह में 5 दिवस सोमवार से शुक्रवार निर्धारित किए गए थे। जब तक कोविड का असर था तब तक यह व्यवस्था व्यवहारिक थी। यह आदेश 31 मार्च 2022 तक प्रभावशील था। इसे अब जिसे 30 जून 2022 तक बढ़ाया जाना बिल्कुल गलत है। क्योंकि शासकीय कर्मचारियों को पूरे माह का वेतन दिया जाता है। सप्ताह में एक दिन अवकाश पर्याप्त होता है। कोरोना काल में 50 फीसदी आफिस लगता रहा है। वह भी ठीक था लेकिन सप्ताह में दो दिन पूरे समय अवकाश दिया जाना कहां की तुक है। इस बात का पुरजोर विरोध होना चाहिए। जो कर्मचारी संगठन अपनी छोटी- छोटी मांगों के लिए आगे आते हैं उन्हें जनहित के लिए कार्य करने के लिए आगे आकर कहना चाहिए कि हमें सिर्फ एक दिन का ही अवकाश दिया जाए। शासकीय कार्यालयों में 10 से 5 बजे तक ही कार्यालय रहना चाहिए।

डेढ़ लाख उपभोक्ताओं को राहत, 28 हजार नाराज

विदिशा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कोरोना काल के दौरान स्थगित हुए बिल माफ करने का एलान कर दिया है। ऐसे में विदिशा शहर सहित पूरे जिले के करीब डेढ़ लाख उपभोक्ताओं को इसका लाभ मिलेगा। इस निर्णय से एक तो वे उपभोक्ता अपने आप को ठगा महसूस कर रहे हैं, जिन्होंने सरकार की समाधान योजना के तहत पंजीयन कराए और बिल जमा कर दिए। वहीं दूसरे वे उपभोक्ता जिन्होंने नियमित रूप से हर माह बिल जमा किए, ऐसे उपभोक्ताओं को अब तक सरकार से कोई राहत नहीं है। कोरोना काल के दौरान 2020 में अप्रैल से अगस्त तक के बिल सरकार ने स्थगित कर दिए थे लेकिन एक साल बाद अगस्त 2021 में सरकार ने ऐसे सभी स्थगित बिलों वाले उपभोक्ताओं से वसूली शुरू कर दी। इसके लिए सरकार ने समाधान योजना शुरू की जिसमें पंजीयन कराने वाले उपभोक्ता को बिल में 40 से लेकर 60 फीसद तक की छूट दी गई। लेकिन एक साल पुरानी वसूली को लेकर उपभोक्ताओं में सरकार के प्रति नाराजगी भी बढ़ रही थी, इसलिए सरकार ने इन सभी उपभोक्ताओं के बिल माफ कर दिए हैं। जिले में एक लाख 54 हजार उपभोक्ताओं के स्थगित बिल माफ होंगे, वहीं इनमें से 5353 उपभोक्ता जिन्होंने पौने तीन करोड़ रुपये जमा कर दिए। इनकी राशि अगले बिलों में समायोजित कर दी जाएगी लेकिन उन 28 हजार से ज्यादा उपभोक्ताओं को लेकर अब तक कोई बात नहीं हुई है जिन्होंने कोरोना काल में नियमित रूप से एक करोड़ 74 लाख रुपये का बिल जमा किया। जिले में कुल एक लाख 90 हजार उपभोक्ता हैं, कोरोना काल में सरकार ने एक किलोवाट तक के 1 लाख 54 हजार घरेलू उपभोक्ताओं के बिजली बिल के 147 करोड़ रुपये स्थगित कर दिए थे जो अब माफ हो गए हैं।

सरकार की समाधान योजना असफल हुई

मप्र सरकार ने बकाया बिलों की राशि वसूल करने के लिए पिछले साल समाधान योजना लागू की थी, जिसके तहत पंजीयन कराने पर उपभोक्ता को एक मुश्त राशि जमा करने पर 60 फीसद छूट और किस्तों में जमा करने पर 40 फीसद छूट दी जा रही थी।

कश्मीर फाइल्स फिल्म देखकर महिला ने पोस्टर पर खून से उकेरा पंडितों का दर्द

विदिशा। कश्मीर फाइल्स देखकर अपनी भावनाओं पर काबू पाना बहुत मुश्किल होता है। इस फ़िल्म को देखकर शहर की चित्रकार मंजू सोनी इतनी भावुक हो गई कि उसने कश्मीरी पंडितों का दर्द दिखाने अपने खून से फ़िल्म का पोस्टर बना दिया। खुद का यूट्यूब चैनल चलाने वाली मंजू ने जब खून से बने पोस्टर का वीडियो डाला, वह इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गया। फ़िल्म के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने भी उनके इस वीडियो को धन्यवाद देते ट्वीट किया। शहर के बांसकुली क्षेत्र में रहने वाली मंजू सोनी पिछले 25 वर्षों से बच्चों को चित्रकला सिखाती है। वे बताती है कि कुछ दिन पहले उनकी बेटी राधिका ने उन्हें फिल्म कश्मीर फाइल्स देखने का आग्रह किया। जब उन्होंने यह फिल्म देखी तो कश्मीरी पंडितों के दर्द को देखकर सिहर उठी। फिर सोचा कि मैं अपनी चित्रकला के जरिये कश्मीरी पंडितों को कुछ अलग तरीके से श्रद्धांजलि दूंगी।

कलश यात्रा में राधा कृष्ण बनकर जमकर नाचे कलाकार

सिरोंज/गुलाबगंज। गुलाबगंज में गहोई बैश्य समाज द्वारा पिछले पिछले वर्ष की तरह श्रीमद् भागवत कथा आयोजित की जा रही है। बुधवार को कलश यात्रा सुबह रेल्वे-स्टेशन परिसर स्थित सिद्ध श्रीहनुमानजी महाराज मंदिर से निकाली गई। महिलाएं कलश रखे हुई थीं। मुख्य बाजार से श्रद्धालू नृत्य करते हुए कृष्ण एवं राधा का रूप रखे कलाकारों के साथ थिरकते हुए जमकर पुष्पवर्षा की। अलग-अलग जगह शीतल जल शरबत इत्यादि से स्वागत किया गया। बाद में कलश यात्रा शासकीय विद्यालय परिसर में कथा स्थल पहुंची। समाज के लोगों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखें पूरे नगर में आध्यत्मिक माहौल है। जिसके बाद शाम को 4 बजे से विधिवत कथा प्रारंभ हुई। वहीं सिरोंज में भगवत कथा के दौरान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया। जैसे ही भगवान कृष्ण बने नन्हे बालक को लेकर वासुदेव पहुंचे तो भजन, भक्ति भाव के साथ कृष्ण भक्त झूमे उठे। नन्द के आनंद भयो जय कन्हैयालाल की जयघोष से वातावरण गूंजमान हो उठा। भक्त भाव विभोर होकर भक्त श्रीकृष्ण भक्ति में खो गए। यह दृश्य गुरूवार को बालाजी धाम कालोनी में चल रही संगीतमय श्रीमद भागवत कथा के चौथे दिन दिखाई दिया। इस दौरान भगवान श्री कृष्ण जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कथा स्थल पर कथावाचक पंडित विजय सागर शास्त्री महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण के बाल लीलाओं का वर्णन कर धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष की महत्ता पर विस्तार पूर्वक वर्णन करते कहा कि मथुरा में राजा कंस के अत्याचार से व्यथित होकर धरती की करुण पुकार सुनकर नारायण ने कृष्ण रूप में देवकी के अष्टम पुत्र के रूप जन्म लिया और धर्म और प्रजा की रक्षा के लिए कंस का अंत किया। कथा वाचक ने श्रीमद भागवत का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि भागवत गीता का श्रवण करने के साथ ही इसे आत्मसात भी करें। कथा स्थल पर प्रतिदिन भक्त कथा श्रवण कर बड़ी संख्या में महिला-पुरुष धर्म लाभ ले रहे हैं। आयोजन समिति ने भक्तों से कथा का श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित करने का अनुरोध किया है।

रसूलिया में डबल फाटक के ओवर ब्रिज निर्माण में हो रहा विलंब लोगों में नाराजगी

नर्मदापुरम। रसूलिया स्थित डबल फाटक पर भोपाल नागपुर मुख्य मार्ग पर तीन वर्ष से बन रहे ओवर ब्रिज निर्माण में हो रहे विलंब, तथा विभागीय अधिकारियों की उदासीनता से क्षेत्र के लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। इस मार्ग पर प्रतिदिन आवागमन करने वाले हजारों राहगीरों में आक्रोश पनप रहा है। क्योंकि वर्षों से इस मार्ग पर ओवर ब्रिज का कार्य कछुआ चाल से चल रहा है। जनप्रतिनिधियों व अधिकाररी भी निरीक्षण करके भूल जाते हैं। रसूलिया निवासी नागरिक हीरालाल गौर और सुभाष पटेल, गुड्डू पटेल ने कहा कि इस संबंध में जब विभागीय अधिकारियों से चर्चा की जाती है तो वे ट्राफिक की समस्या बताते हुए पल्ला झाड़ने की कोशिकश करते हैं। अब नया बहाना बनाया जा रहा है कि लेबर की कमी के कारण देरी हो रही है। इस क्षेत्र के नागरिकों ने मांग की है कि ब्रिज का निर्माण जल्द किया जाए। अन्यथा इस जनविरोधी कार्यप्रणाली का विरोध करने के लिए आंदोलन को बाध्य होना पड़ेगा।

छात्रावासों में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित करें: कमिश्नर

नर्मदापुरम। छात्रावासों में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया जाए। प्रसूति सहायता योजना में भुगतान लंबित न हो। पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ मिले इसके लिए कार्य करें। यह निर्देश कमिश्नर माल सिंह ने बुधवार को आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान दिए हैं। कमिश्नर ने विभिन्ना विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की। कमिश्नर ने स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत संचालित कार्यक्रमों की समीक्षा कर तीनों जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रसूति सहायता योजना अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को समय पर भुगतान किया जाए। उन्होंने आयुष्मान योजना अंतर्गत पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाने के कार्य में गति लाने के निर्देश दिए। टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा कर निर्देशित किया कि तीनों जिले में 7 दिवस के अंदर सभी पात्र हितग्राहियों का टीकाकरण किया जाए। कमिश्नर ने आयुष विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा कर आयुष क्यूर ऐप का व्यापक प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए। ताकि नागरिकों को विशेषज्ञ डाक्टर्स से चिकित्सकीय परामर्श की सुविधा का लाभ मिल सके। कमिश्नर ने बैठक में शिक्षा विभाग एवं जनजातीय कार्य विभाग अंतर्गत संचालित छात्रावासों के संचालन की जानकारी भी ली। उन्होंने कहा कि तीनों जिले में स्वास्थ्य विभाग से समन्वय कर छात्रावासों में बच्चों की चिकित्सकीय जांच के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किए जाए। कोई भी पात्र छात्र छात्रवृत्ति योजना के लाभ से वंचित ना रहे। कमिश्नर ने संभाग में कुपोषण के शिकार बच्चों को सुपोषित करने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को दिए।

युवाओं ने पक्षियों की मदद के लिए शुरू किया अभियान

नर्मदापुरम। बढ़ते तापमान के कारण पक्षियों के सामने परेशानी खड़ी हो रही है, गर्मी के दौर में पक्षियों की मदद के लिए नर्मदांचल यूथ क्लब आगे आया है। क्लब के सदस्य शहर में जगह-जगह पक्षियों के लिए पानी व दाने की व्यवस्था कर रहे हैं। बुधवार को क्लब के अध्यक्ष राकेश रघुवंशी, सुमित ठाकुर, कृष्णा चौहान सहित अन्य सदस्यों ने अभियान चलाकर पक्षियों के लिए दाना पानी रखा। शहर के कोठी बाजार, सदर बाजार, कलेक्ट्रेट रोड, मालाखेड़ी रोड सहित अन्य जगहों पर पेड़ों पर पानी रखा गया है वह दाने भी रखे गए हैं। अंचल में इन दिनों तापमान 42 डिग्री के पास चल रहा हैं। हालांकि मौसम विभाग का कहना है कि दो तीन दिन में तापमान सामान्य हो जाएगा। हालांकि गर्मी और उमस बनी रहेगी। पिछले कुछ दिनों से सुबह के समय बादल भी छा रहे हैं मौसम विभाग का अनुमान है कि उत्तर की ओर से आ रही गर्म हवाओं के कारण तापमान बढ़ा था। नर्मदांचल यूथ क्लब के अध्यक्ष राकेश रघुवंशी ने बताया कि लोगों से भी पक्षियों की मदद के लिए अपील की जा रही है। हमारी से कई स्थानों पर पानी व दाने की व्यवस्था की गई है। लोग सिर्फ इतना करें कि जब पानी व दाना खत्म हो जाए तो बर्तन में रख दें। ताकि पक्षियों को परेशानी ना हो। रघुवंशी के मुताबिक नेकी की दीवार को समस्त नर्मदापुर में चलाया जायेगा। अभी तक 70 से अधिक स्थानों पर पक्षियों के दाने पाने की व्यवस्था की जा रही है। नेकी की दीवार पर दाना ओर पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। इस अभियान में राम यादव, सुमित ठाकुर, पीयूष राठौर, राम गौर आदि समिति सदस्य अपना सहयोग प्रदान कर रहे है।

रायसेनः हिंसक वारदात में एक और आदिवासी की मौत से पसरा मातम

रायसेन, सिलवानी। ग्राम खमरिया में धुलेंडी पर हुई हिंसक वारदात में घायल हरिसिंह आदिवासी उम्र 60 वर्ष निवासी चैनपुर की मौत से पूरे अंचल में मातम पसर गया है। वारदात के दिन चंदापुरा निवासी राजू आदिवासी उम्र 25 की मौत हो गई थी। गुरुवार शाम को पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों की मौजूदगी में हरिसिंह का गांव में अंतिम संस्कार दिया गया है। भोपाल के हमीदिया अस्पताल से पोस्टमार्टम के बाद एंबुलेंस से शासन की ओर से शव को ग्राम में भेजा गया था। मुख्यमंत्री ने शिवराज सिंह चौहान ने हरिसिंह की मौत पर शोक व्यक्त करते हुए हमीदिया अस्पताल प्रबंधन तथा जिला प्रशासन को वारदात में घायल अन्य लोगों का बेहतर उपचार करने के निर्देश दिए हैं।

सीएम के लिए खास है आदिवासी अंचल

प्राचीन गोंड शासकों की रियासत के अधीन रहे आदिवासी बहुल्य क्षेत्र प्रतापगढ़, जैथारी, चैनपुर, चंदापुरा, पोहरी, खौड़ा, खमरिया सहित करीब डेढ़ सौ गांवों की आबादी तीन दशक पूर्व कांग्रेस का वोट बैंक रही है। यही कारण है कि इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए स्व. डॉ. शंकरदयाल शर्मा मप्र से गठन से पूर्व मध्यप्रांत के मुख्यमंत्री तथा बाद में भारत के राष्ट्पति बने। लेकिन स्व. शर्मा ने इस क्षेत्र के विकास पर ध्यान नहीं दिया जिसके कारण यहां के मतदाता कांग्रेस से रुष्ट हो गए। बाद में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. सुंदरलाल पटवा व राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने क्षेत्र में काम किया। उन दिनों मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सामान्य पार्टी कार्यकर्ता की हैसियत से इस क्षेत्र में पैदल व साइकिलों से यात्राएं की हैं। जिसके कारण उन्हें यहां के संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला और फिर मुख्यमंत्री के पद पर पहुंचे। सीएम बनने के बाद चौहान ने इस क्षेत्र में अपने निकटतम प्रतिनिधि रामपाल सिंह राजपूत को संसदीय व विधानसभा का प्रतिनिधित्व करने की जिम्मेदारी सौंपी है। राजपूत पिछले दो दशक से प्रतापगढ़ में दीपावली की दूज पर हर वर्ष आदिवासी मेला आयोजित करते आ रहे हैं।

मंगलवार को सभा में भरी थी हुंकार

मुख्यमंत्री चौहान ने वारदात को गंभीरता से लेते हुए मंगलवार को ग्राम चंदापुरा में आदिवासी संवाद कार्यक्रम आयोजित करके उनकी सुरक्षा का वादा किया था। इसके साथ ही हुंकार भरते हुए आदिवासियों पर हमला करने वाले आरोपितों और प्रदेश भर के अपराधियों को चेतावनी दी है कि यदि कहीं कोई गरीब, कमजोर के साथ गुंदागर्दी करने की वारदात होती है तो अपराधियों के घर खोदकर मैदान कर दिए जाएंगे। घर-घर तलाशी लेकर हथियार जब्त करने के निर्देश पुलिस को दिए हैं।

जयस के प्रदेशाध्यक्ष पहुंचे चंदपुरा

जय आदिवासी संगठन के प्रदेशाध्यक्ष इंद्रपाल मरकाम गुरुवार को ग्राम चंदापुरा पहुंचे। मृतक राजू आदिवासी के परिवारजनों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की। मृतक के माता-पिता, पत्नी व परिजनों से मिल कर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संपूर्ण आदिवासी समाज व संगठन पीड़ित परिवार के साथ है। उन्होंने प्रशासन की कार्रवाई पर संतोष जताया। प्रदेशाध्यक्ष के साथ विशेष रूप से जिलाध्यक्ष कुंवर सूर्यजीत सिंह भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि खमारिया गांव में दो समुदायों के बीच हुई घटना अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने घटना में दोनों मृतकों के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

आरोपितों की भूमि व संपत्ति की जांच शुरू

प्रशासन ने खमरिया गांव के सभी आरोपितों की भूमि व अन्य संपत्ति की जांच शुरू कर दी है। इस आदिवासी अंचल में प्राचीन काल से गोंड शासन होने के बावजूद यहां पर मुस्लिम समुदाय में अत्यधिक भूमि व संपत्ति एकत्र कर ली है। आदिवासियों की भूमि खरीदने-बेचने पर शासन का प्रतिबंध होने के बाद भी अनेक लोगों की जमीन बेची व खरीदी गई है। षडयंत्रपूर्वक आदिवासी समुदाय के लोगों को शराब व अन्य नशा का आदि बनाकर उन्हें कर्ज में डुबो दिया और उनकी जमीन हड़प ली है। इसके अलावा सैकड़ों एकड़ में शासकीय चरनोई भूमि, वन भूमि व मेड़ की जमीन पर भी स्थाई रूप से कब्जा कर लिया गया है। स्थाई कब्जा करने के बाद बड़ी मात्रा में बंदूकों, तलवारों व अन्य धारदार अवैध हथियारों का एकत्र किया गया है। समय-समय पर हथियारों के बल पर यहां के गरीब वर्ग के किसानों, मजदूरों की जमीन व संपत्ति पर अवैध कब्जा कर लिया गया है। कुछ गरीब बहन-बेटियों की आबरू लूटने की वारदातें भी हुई हैं।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने आदिवासियों पर प्रकरण दर्ज करने की निंदा की

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने सोमवार को ग्राम चंदापुरा, चैनपुर व खमरिया का भ्रमण करके आदिवासी समुदाय के लोगों की समस्याएं सुनी थीं। उन्होंने आदिवासियों के घर पहुंचकर महिलाओं, पुरुषों व बच्चों से बातचीत की थी। खमरिया में हुई साम्प्रदायिक हिंसा में चारी आदिवासी बच्चे घायल हुए थे। आयोग अध्यक्ष ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की है। जिसमें आयोग ने पुलिस द्वारा दोनों पक्षों पर की गई कार्रवाई की निंदा की है। साथ ही प्रदेश सरकार को हिदायत दी है कि घटना की उच्च स्तरीय जांच कराएं। प्रभावित बच्चों का समुचित उपचार हो व उन्हें शासकीय योजनाओं से जोड़कर लाभान्वित किया जाए। पूरी घटना पर आयोग ने 16 बिंदुओं की चार पेज की रिपोर्ट पेश की है। जिसके बिंदु क्रमांक 12 में आयोग ने पुलिस कार्रवाई की निंदा की है। जिसमें कहा गया है कि इस घटना में यह जानकारी भी मिली है की पुलिस द्वारा उभयपक्षीय कार्रवाई कर यह दर्शाने की कोशिश की जा रही है कि आदिवासी बच्चे खमरिया गांव पर आक्रमण करने की नीयत से गए थे। यदि इस प्रकार का बच्चों के विरुद्ध वातावरण निर्मित करने के प्रयास किए जा रहे हैं तो यह निंदनीय हैं। अतः आयोग यह अनुशंसा करता है कि पुलिस अपनी कार्रवाई करते समय यह सुनिश्चित करें कि किसी बच्चों के विरुद्ध अन्यायपूर्ण कार्रवाई न हो और निष्पक्ष जांच कर आरोपितों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करें। प्रकरण में यह जानकारी भी मिली है कि पुलिस के द्वारा हिंसा के दौरान उचित कार्रवाई नहीं की गई।

जल जीवन मिशन में अब तक इन्दौर संभाग अव्वल

संभाग में करीब 10 लाख ग्रामीण परिवारों को मिला नल से जल

भोपाल। जल जीवन मिशन में प्रदेश की समग्र ग्रामीण आबादी को घरेलू नल कनेक्शन से पेयजल की आपूर्ति किए जाने के लिए जल संरचनाओं की स्थापना एवं विस्तार के कार्य किए जा रहे हैं। इन्दौर संभाग में भी मिशन के जरिए 9 लाख 67 हजार ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन से जल उपलब्ध करवाकर संभाग भौतिक प्रगति में अब तक प्रदेश में अव्वल है। मिशन में इंदौर जिले की 387, धार 412, झाबुआ 425, बड़वानी 265, अलीराजपुर 114, खरगोन 380, खण्डवा 313 तथा बुरहानपुर जिले की 83 जल संरचनाएँ शामिल हैं। इन जिलों के लिए नवीन योजनाओं के साथ ही विभिन्न ग्रामों में पूर्व से निर्मित पेयजल अधो-संरचनाओं को नये सिरे से तैयार कर रेट्रोफिटिंग के अन्तर्गत भी कार्य किये जा रहे हैं। प्रदेश की ग्रामीण आबादी शुद्ध पेयजल के लिए परेशान न हो, इसके लिए मिशन में तेजी से कार्य जारी हैं। जहाँ जल-स्त्रोत हैं, वहाँ उनका समुचित उपयोग कर और जिन ग्रामीण क्षेत्रों में जल-स्त्रोत नहीं हैं, वहाँ नये स्त्रोत निर्मित कर ग्रामीण परिवारों को पेयजल प्रदाय किया जायेगा। यह व्यवस्था चरणबद्ध तरीके से वर्ष 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा इंदौर संभाग के आठों जिलों में अब तक 2671 करोड़ 69 लाख 32 हजार रूपये लागत की 2379 जल-प्रदाय योजनाओं की स्वीकृति दी जा चुकी है। विभाग के मैदानी अमले द्वारा मिशन के मापदण्डों के अनुसार नवीन और रेट्रोफिटिंग के रूप में स्वीकृत सभी जल-प्रदाय योजनाओं के कार्य सतत रूप से जारी हैं।

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने जताया आभार

भोपाल। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने इंदौर में आज गेर के ऐतिहासिक आयोजन की सफलता पर समस्त नागरिकों और जन-प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त कर सभी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएँ दी। उन्होंने कहा है कि रंगपंचमी की गेर से देश में प्रदेश और इंदौर की एक अलग ही पहचान बन गई है। सभी आयोजकों ने इंदौर की पुरातन परंपरा निभाते हुए गौरवपूर्ण गेर निकाली। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि इंदौर में उल्लास और उत्साह का यह वातावरण लंबे समय बाद देखने को मिला है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भी गेर के आयोजन में लगातार रुचि दिखाई थी और भव्य आयोजन की इच्छा जतायी थी। मंत्री श्री सिलावट ने आयोजन की सफलता के लिए प्रशासन और पुलिस के सभी अधिकारियों को भी बधाई दी है।

बांध की क्षतिग्रस्त नहरों की कराएँ शीघ्र मरम्मत

भोपाल। जल संसाधन, मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास विभाग मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने बुधवार को इटारसी के ग्राम तवानगर स्थित एचईजी विश्राम गृह में जल संसाधन विभाग की समीक्षा की। मंत्री श्री सिलावट ने बैठक में जिले के सिवनी मालवा ब्लॉक में 148 करोड़ रूपये की झारबीड़ी सिंचाई योजना को शीघ्र चालू करवाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के संकल्प कृषि को लाभ का धंधा बनाने के लिए सभी अधिकारी पूरी गंभीरता से काम करें।

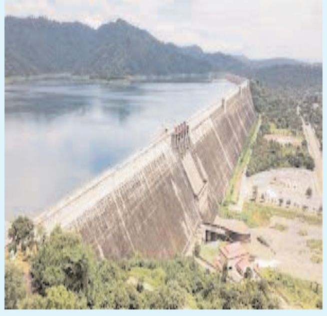

विधायक सिवनी-मालवा श्री प्रेम शंकर वर्मा एवं विधायक सोहागपुर श्री विजय पाल सिंह ने भी अपनी विधानसभा क्षेत्र में नहरों के सुचारू संचालन के संबंध सुझाव दिए। कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह, मुख्य अभियंता जल संसाधन विभाग श्री शिशिर कुशवाह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री श्री सिलावट ने तवा बांध का निरीक्षण किया और विभागीय अधिकारियों को बांध सुरक्षा का आडिट कराने के साथ क्षति ग्रस्त नहरों को सुधारने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थित में पानी का अपव्यय न हो। मूंग फसल की सिंचाई के लिए हरदा एवं नर्मदापुरम के सभी किसानों को समान रूप से लाभान्वित किया जाए। मंत्री श्री सिलावट ने राजस्व एवं पुलिस विभाग के साथ समन्वय बनाकर नहरों के आस-पास अतिक्रमण हटवाने के निर्देश दिए। उन्होंने बेहतर कार्य-योजना बनाकर नहरों के आस पास सघन पौधारोपण करने के निर्देश दिए। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि विभागीय अधिकारी रोस्टर बनाकर नियमित नहरों का निरीक्षण करें। मंत्री श्री सिलावट ने किसानों को नरवाई के फायदे और उसके बेहतर उपयोग के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला करने के लिए कृषि वैज्ञानिकों से चर्चा करने को कहा। साथ ही जिले में नरवाई नही जलाई जाए इससे लिए जागरूकता अभियान चलाए जाने के निर्देश भी दिए।

दो हजार रुपये से अधिक बिजली बिल बकाया होने पर काट रहे कनेक्शन

दीवानगंज। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बकाया राशि वसूली के लिए अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें बिजली उपभोक्ताओं से बकाया राशि कंपनी में जमा कराने आग्रह किया गया जिन उपभोक्ताओं के 2000 रुपये से अधिक बिल है उनके कनेक्शन काटे जा रहे हैं। हालांकि कोरोना के समय जिन उपभोक्ताओं ने बिल जमा नहीं किए थे उनके उस समय का पैसा काटने बावजूद अगर 2000 रुपये का बिल है तो कनेक्शन काटे जा रहे हैं। दीवानगंज के आसपास ग्रामीण इलाकों में बिजली विभाग के कर्मचारी विमल मीणा, इसराइल खान, बैजूनाथ द्वारा कनेक्शन काटे जा रहे हैं। दो दिनों में अंबाड़ी गांव में 50 कनेक्शन काटे जा चुके हैं। 31 मार्च के बाद भी कनेक्शन काटने की कार्रवाई चलती रहेगी। कंपनी के सभी वृत्त कार्यालयों में समीक्षा बैठकें आयोजित कर मैदानी स्तर पर राजस्व वसूली की वृद्धि के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। सभी मैदानी अधिकारियों को बकाया राशि वसूली करने, भू.राजस्व संहिता के अंतर्गत सी-फार्म एवं कुर्की करने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने यह भी निर्देश दिये हैं कि विजीलेंस द्वारा बनाये गये प्रकरणों में बकाया राशि की वसूली भी तेज की जाए। यह भी निर्देश दिये गये हैं कि काटे गये कनेक्शनों की रात्रि में चेकिंग की जाए ताकि बकायादार उपभोक्ता अवैध रूप से बिजली का उपयोग न करें और यदि कोई उपभोक्ता ऐसा करता पाया जाता है तो उसके विरूद्ध बिजली अधिनियम 2003 की धारा 138 के अंतर्गत प्रकरण बनाया जाए। कंपनी ने अधिकारियों और कर्मचारियों से कहा है कि टीम भावना से कार्य कर लक्ष्?य की प्राप्ति करें। जिन उपभोक्ताओं का कोरोना के समय बिल बाकी है वहां उपभोक्ता सांची में आकर कंप्यूटर पर अपनी लिस्ट देख लें। ताकि उनका उस समय का बिल माफ कर दिया जाएगा और शेष बची हुई राशि को उपभोक्ता द्वारा जमा करें। हमारे पास कोई लिखित में बिल माफ करने का आदेश नहीं आया है। इसलिए उपभोक्ताओं का कोरोना के समय का बिल छोड़कर शेष महीने का बिल जमा करें। वैसे तो दो हजार से ऊपर राशि वाले उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे जा रहे हैं।

पहले दिन लगभग 12 हजार बच्चों को वैक्सीन लगाई

__रायसेन।__ कलेक्टर अरविन्द कुमार दुबे ने बुधवार को 12 से 14 वर्ष आयु वर्ग के बालक और बालिकाओं का कोविड-19 वैक्सीनेशन अभियान का शुभारंभ किया गया। उन्होंने सभी माता-पिता, अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने 12 से 14 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को कोविड वैक्सीन जरूर लगवाएं। कलेक्टर दुबे ने वैक्सीन लगवाने वाले बच्चों से चर्चा भी की। इस दौरान सीएमएचओ डॉ. दिनेश खत्री, सिविल सर्जन डॉ. एके शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। शासन के निर्देशानुसार वर्ष 2008 एवं 2009 में जन्म लेने वाले सभी बालक और बालिकाएं कोविड-19 वैक्सीनेशन के पात्र हैं। वर्ष 2010 में जन्मे केवल वे बालकए बालिकाएं वैक्सीनेशन को पात्र होंगे जिन्होंने 12 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली है।

बच्चों को 28 दिन के अंतराल में लगेगी दूसरी डोज

__बाड़ी।__ 12 से 14 वर्ष तक के बच्चों को 28 दिन के अंतराज में दूसरी डोज लगाई जाएगी। पहली डोज बाड़ी में बुधवार को बच्चों को लगाई गई। बाड़ी अंतर्गत उत्कृष्ट विद्यालय में 100, एमपी कॉन्वेंट इंग्लिश एवं हिंदी मीडियम में 200, साईं ज्ञान मंदिर में 100, स्वामी विवेकानंद में 100, प्रगति हायर सेकंडरी में 100 एवं जवाहर नवोदय विद्यालय बाड़ी में 200 वैक्सीन छात्र-छात्राओं को लगाने के लिए भेजी गई। कोरोना से बच्चों को बचाने की दिशा में केंद्र सरकार ने अहम कदम उठाया है। जिसके तहत 23 मार्च से देशभर में अब 12 से 14 साल के बच्चों को भी कोरोना से बचाव का टीका लगना शुरू हो गया हैं।

संपादकीय

भारतीय राजनीति में तेजी से उभरता सितारा बन गयी है आम आदमी पार्टी

पांच राज्यों- उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखण्ड, गोवा तथा मणिपुर में हुए विधानसभा चुनावों में जहां पंजाब में अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी का जादू मतदाताओं के सिर चढ़कर बोला है, वहीं अन्य चारों राज्यों में भाजपा दोबारा सरकार बना रही है। पंजाब के चुनाव में तो केजरीवाल की पार्टी 'आप' ने इतिहास रच डाला है। भले ही 'आप' का जादू उत्तराखण्ड और उत्तर प्रदेश में नहीं चल सका लेकिन पंजाब के अलावा 40 सदस्यीय गोवा विधानसभा चुनाव में भी दो सीटें जीतकर वह वहां भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में सफल हुई है। एक ओर जहां कांग्रेस, बसपा जैसे विपक्षी दलों को मतदाताओं ने कड़ा संदेश दिया है, वहीं राष्ट्रीय राजनीति में 'आप' के भाजपा के विकल्प के रूप में उभरने का मार्ग भी पंजाब के नतीजों के बाद प्रशस्त हुआ है। पंजाब में 'आप' की जिस तरह की आंधी चली और मतदाताओं ने अन्य पार्टी के बड़े-बड़े सूरमाओं के मुकाबले केजरीवाल की पार्टी पर भरोसा जताया, उसके बाद आप भारत की राजनीति का तेजी से उभरता हुआ सितारा बन गई है। इन विधानसभा चुनावों में एक और जहां उत्तर प्रदेश में कभी अपने ही बूते लगातार पांच साल पूर्ण बहुमत की सरकार चलाने वाली बहुजन समाज पार्टी का अस्तित्व प्रदेश की राजनीति से करीब-करीब खत्म हो गया है, वहीं इन चुनावों में सबसे बड़ा खामियाजा अगर किसी को भुगतना पड़ा है तो वो है कांग्रेस पार्टी, जिसके समक्ष अब अपना अस्तित्व बनाए रखने की बहुत बड़ी चुनौती मुंह बाये खड़ी है। दरअसल यह तय है कि अब पांच विधानसभा चुनावों में भी पार्टी की करारी हार के बाद पार्टी के भीतर गांधी परिवार के प्रति विरोध बढ़ेगा और कांग्रेस के अंदर बगावत के सुर पहले के मुकाबले और ज्यादा तेज होंगे। इसका स्पष्ट संकेत चुनावी नतीजों पर टिप्पणी करते हुए जी-23 के नेता मनीष तिवारी के उस बयान से भी लगाया जा सकता है, जिसमें उन्होंने कहा है कि यह राहुल गांधी से ही पूछा जाना चाहिए कि कांग्रेस की ऐसी दुर्दशा क्यों हुई? माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में कांग्रेस की इस दुर्गति का असर महाराष्ट्र की राजनीति में भी देखने को मिल सकता है। उत्तर प्रदेश में पिछली बार के मुकाबले भाजपा गठबंधन को भले ही 50 के करीब सीटों का नुकसान हुआ लेकिन फिर भी भाजपा की उत्तर प्रदेश सहित चार राज्यों में धमाकेदार जीत ने देश की राजनीति में आने वाले दिनों में कई महत्वपूर्ण बदलावों के संकेत दे दिए हैं। उम्मीदों से परे भाजपा को मिली इस बड़ी चुनावी जीत के बाद देश में तमाम विपक्षी पार्टियों के लिए भाजपा से निपटना अब और भी बड़ी चुनौती होगा, वहीं इस जीत ने वैश्विक स्तर पर पहले से काफी मजबूत माने जाते रहे 'मोदी ब्रांड' को और मजबूत कर दिया है।

सियासत, सुशासन और विकास का केजरीवाल मॉडल की अग्नि परीक्षा होगी एमसीडी चुनाव में!

> *यह बात में इसलिये कह रहा हूँ कि जब वो दिल्ली की सत्ता पर काबिज हुए तब उनसे शिकस्त खाई कांग्रेस पार्टी 15 वर्षों से दिल्ली और 9 वर्षों से केंद्रीय सत्ता में रही, जिसकी सियासी तूती बोलती थी, लेकिन टीम केजरीवाल ने उनका सुफड़ा साफ कर दिया। उसी प्रकार कभी दिल्ली पर एक दशक से अधिक समय तक राज कर चुकी भाजपा जब 2014 में काफी मजबूत होकर केंद्रीय सत्ता में लौटी तो 2015 में और जब 2019 में दूसरी बार और अधिक मजबूत होकर केंद्रीय सत्ता में लौटी तो 2020 में आम आदमी पार्टी यानी आप ने उसे दिल्ली में तगड़ा शिकस्त दी। कहना न होगा कि वह आम आदमी पार्टी ही है, जिसने भारतीय राजनीति को यह मूलमंत्र दिया कि बीजेपी अपराजेय नहीं है, यानी कि सटीक सियासी रणनीति से उसे पराजित किया जा सकता है। उसके बाद बिहार में नीतीश मॉडल, महाराष्ट्र में उद्धव मॉडल, पश्चिम बंगाल में ममता मॉडल और केरल में वामपंथी मॉडल ने यह साबित कर दिया कि यदि क्षेत्रीय नेताओं में सही दमखम हो तो बीजेपी को सत्ता में आने से रोका जा सकता है, मतलब कि पराजित किया जा सकता है। बहरहाल सियासत, सुशासन और विकास का केजरीवाल मॉडल की अगली अग्नि परीक्षा एमसीडी चुनाव में होगी, जहाँ आप पार्टी पूरे दमखम से चुनाव में उतरने की तैयारी कर रही है।*

भारतीय लोकतांत्रिक राजनीति में सत्ता संचालन के कई मॉडल सामने आए, लेकिन सियासत, सुशासन और विकास के मोदी मॉडल के बाद केजरीवाल मॉडल अब बरबस सबका ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। दरअसल, देश की राजधानी नई दिल्ली यानी केंद्र शासित दिल्ली प्रदेश की सत्ता भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से छीनकर और फिर उस पर भारतीय जनता पार्टी यानी बीजेपी को काबिज नहीं होने देकर आम आदमी पार्टी के मुखिया और दिल्ली प्रदेश के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने यह साबित कर दिया कि उनकी राजनीतिक सोच में दम है और वो केंद्रीय सत्ता की उंगलियों पर कदापि नहीं थिरकेंगे।

यह बात में इसलिये कह रहा हूँ कि जब वो दिल्ली की सत्ता पर काबिज हुए तब उनसे शिकस्त खाई कांग्रेस पार्टी 15 वर्षों से दिल्ली और 9 वर्षों से केंद्रीय सत्ता में रही, जिसकी सियासी तूती बोलती थी, लेकिन टीम केजरीवाल ने उनका सुफड़ा साफ कर दिया। उसी प्रकार कभी दिल्ली पर एक दशक से अधिक समय तक राज कर चुकी भाजपा जब 2014 में काफी मजबूत होकर केंद्रीय सत्ता में लौटी तो 2015 में और जब 2019 में दूसरी बार और अधिक मजबूत होकर केंद्रीय सत्ता में लौटी तो 2020 में आम आदमी पार्टी यानी आप ने उसे दिल्ली में तगड़ा शिकस्त दी। कहना न होगा कि वह आम आदमी पार्टी ही है, जिसने भारतीय राजनीति को यह मूलमंत्र दिया कि बीजेपी अपराजेय नहीं है, यानी कि सटीक सियासी रणनीति से उसे पराजित किया जा सकता है। उसके बाद बिहार में नीतीश मॉडल, महाराष्ट्र में उद्धव मॉडल, पश्चिम बंगाल में ममता मॉडल और केरल में वामपंथी मॉडल ने यह साबित कर दिया कि यदि क्षेत्रीय नेताओं में सही दमखम हो तो बीजेपी को सत्ता में आने से रोका जा सकता है, मतलब कि पराजित किया जा सकता है। बहरहाल सियासत, सुशासन और विकास का केजरीवाल मॉडल की अगली अग्नि परीक्षा एमसीडी चुनाव में होगी, जहाँ आप पार्टी पूरे दमखम से चुनाव में उतरने की तैयारी कर रही है। सच कहा जाए दिल्ली के बाद पंजाब विधानसभा चुनाव 2022 में पहले से ही ताल ठोककर आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल ने जो करिश्मा दिखाया है, उसने यह जतला दिया है कि यह जीत कोई आकस्मिक विजय नहीं, बल्कि एक सोची समझी सियासी रणनीति का प्रतिफल है, जिसकी गूंज बहुत दूर तलक जाएगी, यानी कि 2024 में राष्ट्रीय स्तर पर बीजेपी के मुकाबिल खड़े होने की ताकत का एहसास क्षेत्रीय दलों सहित कांग्रेस को भी कराएगी, क्योंकि पंजाब की सत्ता भी उन्होंने कांग्रेस से ही छीनी है। ऐसा इसलिए कि टिकट वितरण में भी आप आम आदमी को ही तरजीह देती आई है, न कि धनाढ्य या नव धनाढ्य वर्ग को, या बड़े दलों के बड़े चेहरों को। इससे जनता में उसकी अपील मजबूत होती है। कहना न होगा कि आप ने पंजाब की जनता से लगातार अपील की, कि अब तक जनता ने शिरोमणि अकाली दल और भारतीय जनता पार्टी गठबंधन (शिअद-भाजपा) और कांग्रेस को अपनाया, लेकिन उसे कुछ खास नहीं मिला।

- 15 वर्षों से दिल्ली और 9 वर्षों से केंद्रीय सत्ता में रही, जिसकी सियासी तूती बोलती थी, लेकिन टीम केजरीवाल ने उनका सुफड़ा साफ कर दिया।

इसलिए इसबार सिर्फ हमें एक मौका दीजिए, जिसके बाद हमारा काम बोलेगा। वाकई जनता को आप का यह अंदाज पसंद आ गया। बता दें कि पंजाब में आप की ऐतिहासिक जीत कोई आकस्मिक जीत नहीं है, बल्कि इसकी पटकथा तो 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान ही लिख दी गई थी। क्योंकि तब आप पार्टी ने पंजाब की राजनीति में पहली बार प्रवेश करते हुए 13 में से चार लोकसभा सीटों पर जीत का परचम फहराया था और उसे तकरीबन 24 फीसदी मत मिले थे। इसके बाद 2017 के विधानसभा चुनाव और 2019 के लोकसभा चुनाव में आप पार्टी की धार तीखी होती चली गई। पंजाब विधानसभा चुनाव 2022 का नतीजा आपके सामने है, क्योंकि दो तिहाई बहुत में पंजाब में आप ने जीत दर्ज की है और वहां उसकी सरकार बनेगी। समझा जाता है कि पंजाब की जनता नशा, अवैध खनन, शराब, केबल और ट्रांसपोर्ट माफिया से मुक्ति की राह तलाश रही थी। जबकि शिअद-भाजपा और कांग्रेस आमलोगों की कसौटी पर खरी नहीं उतर पा रही थीं। यही वजह है कि आप (आम आदमी पार्टी) ने जनता की नब्ज अच्छी तरह से टटोल ली थी और अपने चुनाव प्रचार में इन्हें दमदार तरीके से उठाया। इसके अलावा, दिल्ली की तर्ज पर मुफ्त बिजली-पानी देने और महिलाओं को एक हजार रुपये प्रति माह देने का जो नया वादा कर डाला, वह जनता को काफी भा गया। जनता ने केजरीवाल की झोली भर दी।बताया जाता है कि केजरीवाल शासन का दिल्ली मॉडल, शिक्षा व्यवस्था में आमूलचूक परिवर्तन, मोहल्ला क्लीनिक, भ्रष्टाचार रहित पारदर्शी सुशासन, सत्ता के गलियारे में पार्टी कार्यकर्ताओं की वाजिब पूछ, मुद्दा दर मुद्दा जनभावनाओं को देख उसी के अनुरूप जनभागीदारी विकसित करने का दिलासा भी पंजाब में आकर्षण का विषय बना। वहीं, अरविंद केजरीवाल ने भगवंत मान को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित कर पंजाबियों को फैसला लेने की राह काफी आसान कर दी। क्योंकि एक तरफ गठबंधन और सत्ता की सिरफुटौव्वल दिखाई दे रही थी तो दूसरी ओर बातचीत की साफगोई और मुद्दों का पैनापन। इसके अलावा, दिल्ली की सीमाओं में किसान आंदोलन कारियों की तरफ़दारी और वक्त वक्त पर उन्हें पिछले दरवाजे से सहयोग पहुंचाने की कोशिश ने पंजाबियों को अरविंद केजरीवाल व उनकी सजग टीम का मुरीद बना दिया। कहना न होगा कि पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल, पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह, पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल, सत्तारूढ़ मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, कद्दावर नेटवबिक्रमजीत सिंह मजीठिया और नवजोत सिंह सिद्धू जैसे दिग्गजों की आप नेताओं के हाथों हुई शर्मनाक पराजय से यह साफ है कि पंजाब की जनता सोहणा पंजाब बनाने के लिए ताजी हवा का एक अदद झोंका और उर्वर सियासी जमीन चाहती थी, जो उसे आप के रूप में मिल गई। देखा जाए तो पंजाब हमेशा से जातिगत वोट बैंक की राजनीति में उलझा रहा, लेकिन आप नेताओं का आचरण देख उन्हें एकबारगी महसूस हो गया कि अब समय बदल गया है। दरअसल, आप नेताओं ने जनता से लगातार अपील की, कि अब तक जनता ने शिअद-भाजपा और कांग्रेस को अपनाया लेकिन उसको कुछ खास नहीं मिला। इसलिए अबकी बार सिर्फ एक मौका आप को दीजिए। फिर हमारा काम बोलेगा, हम नहीं। संभवतया जनता को आप का यह अंदाज पसंद आ गया और उसकी सियासी आंधी चल पड़ी। विधानसभा चुनाव में पंजाब के हरेक कोने एक बात सुनने को जरूर मिलती, वह यह कि बदलाव चाहिए।

कहीं बेनजीर और नवाज जैसा ही हश्र ना हो जाये इमरान खान का?

पाकिस्तान के कई नेताओं और पत्रकारों ने मुझे बताया कि इमरान के बागी सांसद तभी पार्टी का साथ देंगे जबकि इमरान की जगह उनके विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी या परवेज खट्टक को प्रधानमंत्री बना दिया जाए। इनके नामों पर फौज सहमत हो सकती है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने भारतीय विदेश नीति की खुले-आम तारीफ करके अपना फायदा किया है या नुकसान, कुछ कहा नहीं जा सकता। इस वक्त पाकिस्तान की फौज और उनके गठबंधन के कुछ सांसद उनसे इतने नाराज़ हैं कि उनकी सरकार अधर में लटकी हुई है। यदि इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) के सम्मेलन में 50 देश भाग लेने के लिए इस्लामाबाद नहीं पहुंच रहे होते तो इमरान सरकार शायद अब तक गुड़क जाती। लगभग उनके दो दर्जन सांसदों ने बगावत का झंडा खड़ा कर दिया है। पाकिस्तानी संसद में वे सिर्फ 9 सांसदों के बहुमत से अपनी सरकार चला रहे हैं। पाकिस्तान के कई नेताओं और पत्रकारों ने मुझे बताया कि इमरान के बागी सांसद तभी पार्टी का साथ देंगे जबकि इमरान की जगह उनके विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी या परवेज खट्टक को प्रधानमंत्री बना दिया जाए। इनके नामों पर फौज सहमत हो सकती है। फौज के घावों पर इमरान ने यह कह कर नमक छिड़क दिया है कि पाकिस्तानी विदेश नीति हमेशा किसी न किसी महाशक्ति की गुलामी करती रही है जबकि भारत हमेशा आजाद विदेश नीति चलाता रहा है। भारत ने यूक्रेन के मामले में भी अमेरिका और नाटो देशों का समर्थन नहीं किया है। अमेरिका के साथ भारत के सामरिक रिश्ते घनिष्ठ हैं लेकिन वह रूस से तेल आयात कर रहा है। जो यूरोपीय देशों के राजदूत पत्र लिखकर पाकिस्तान को उपदेश दे रहे हैं कि वह रूस की निंदा करे, वे ये ही सलाह भारत को देने की हिम्मत क्यों नहीं करते? पाकिस्तान को उन्होंने क्या गरीब की जोरु समझ रखा है? उन्होंने कहा है कि मैं पाकिस्तान का सिर ऊँचा रखूंगा। न किसी के आगे कभी झुका हूं, न पाकिस्तान को झुकने दूंगा। इमरान ने यह भी याद दिलाया कि अगस्त में जब अमेरिकी अफगानिस्तान खाली कर रहे थे तो उन्होंने पाकिस्तान से एक सैन्य अड्डे की सुविधा मांगी थी तो उन्होंने साफ इंकार कर दिया था।

चिंतन नहीं करेगी कांग्रेस तो शून्य पर ही स्थिर होकर रह जायेगी

पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद निश्चित ही कांग्रेस पार्टी के भविष्य के लिए एक ऐसा प्रश्नचिन्ह स्थापित हो गया है, जिसका जवाब फिलहाल न तो कांग्रेस नेतृत्व के पास है और न ही अब इसका जवाब आसान ही रह गया है। कांग्रेस में ऐसी स्थितियों के पीछे क्या कारण हैं? क्यों कांग्रेस निरंतर अपने अस्तित्व को खोती जा रही है? इसके पीछे के कारण तलाश किए जाएं तो कहीं और जाने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि गाहे बगाहे कांग्रेस के अंदर ही अंदर जिस प्रकार के स्वर मुखरित हो रहे हैं, उसका यही सही जवाब है, लेकिन ऐसा लगता है कि कांग्रेस इन स्वरों से इत्तेफाक नहीं रखती। कांग्रेस की दुर्गति के बारे में कहा जाए तो यह कहना भी तर्कसंगत ही होगा कि इसके बारे में उसकी नीतियां ही जिम्मेदार हैं। तर्कों के माध्यम से भले ही सत्य को झुठलाने का प्रयास किया जाए, लेकिन एक दिन सत्य सामने आता ही है। बस इसी सत्य को कांग्रेस के नेताओं को समझने की आवश्यकता है।

इस सत्य को जब तक कांग्रेस नहीं समझेगी, तब तक उसका उत्थान संभव ही नहीं है। पिछले दो बार के लोकसभा चुनावों के बाद कांग्रेस की जो राजनीतिक स्थिति बनी, वह कांग्रेस के लिए एक स्पष्ट चेतावनी भी थी, इस बारे में कई कांग्रेस के नेताओं ने अपने नेतृत्व को आत्ममंथन के लिए आगाह भी किया था, लेकिन कांग्रेस ने इन बातों को सुनने की बजाय अपने कानों को लगभग बंद ही कर लिया। हालांकि नेतृत्व परिवर्तन के लिए कवायद भी प्रारंभ हुई थी, लेकिन परिणाम जो निकला, वह ढाक के तीन पात जैसा ही था। गांधी परिवार से बाहर का अध्यक्ष बनाए जाने की बात हवा में ही उड़ गई। कहने के बाद भी अगर गांधी परिवार के बाहर का अध्यक्ष नहीं बना तो इसके पीछे केवल यही कारण था कि इस परिवार के अलावा कांग्रेस का कोई भी नेता ऐसा नहीं है जो पार्टी को एक रख सके।

दो हजार रुपये से अधिक बिजली बिल बकाया होने पर काट रहे कनेक्शन

दीवानगंज। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बकाया राशि वसूली के लिए अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें बिजली उपभोक्ताओं से बकाया राशि कंपनी में जमा कराने आग्रह किया गया जिन उपभोक्ताओं के 2000 रुपये से अधिक बिल है उनके कनेक्शन काटे जा रहे हैं। हालांकि कोरोना के समय जिन उपभोक्ताओं ने बिल जमा नहीं किए थे उनके उस समय का पैसा काटने बावजूद अगर 2000 रुपये का बिल है तो कनेक्शन काटे जा रहे हैं।

दीवानगंज के आसपास ग्रामीण इलाकों में बिजली विभाग के कर्मचारी विमल मीणा, इसराइल खान, बैजूनाथ द्वारा कनेक्शन काटे जा रहे हैं। दो दिनों में अंबाड़ी गांव में 50 कनेक्शन काटे जा चुके हैं। 31 मार्च के बाद भी कनेक्शन काटने की कार्रवाई चलती रहेगी। कंपनी के सभी वृत्त कार्यालयों में समीक्षा बैठकें आयोजित कर मैदानी स्तर पर राजस्व वसूली की वृद्धि के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। सभी मैदानी अधिकारियों को बकाया राशि वसूली करने, भू.राजस्व संहिता के अंतर्गत सी-फार्म एवं कुर्की करने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने यह भी निर्देश दिये हैं कि विजीलेंस द्वारा बनाये गये प्रकरणों में बकाया राशि की वसूली भी तेज की जाए। यह भी निर्देश दिये गये हैं कि काटे गये कनेक्शनों की रात्रि में चेकिंग की जाए ताकि बकायादार उपभोक्ता अवैध रूप से बिजली का उपयोग न करें और यदि कोई उपभोक्ता ऐसा करता पाया जाता है तो उसके विरूद्ध बिजली अधिनियम 2003 की धारा 138 के अंतर्गत प्रकरण बनाया जाए। कंपनी ने अधिकारियों और कर्मचारियों से कहा है कि टीम भावना से कार्य कर लक्ष्य की प्राप्ति करें। जिन उपभोक्ताओं का कोरोना के समय बिल बाकी है वहां उपभोक्ता सांची में आकर कंप्यूटर पर अपनी लिस्ट देख लें। ताकि उनका उस समय का बिल माफ कर दिया जाएगा और शेष बची हुई राशि को उपभोक्ता द्वारा जमा करें। हमारे पास कोई लिखित में बिल माफ करने का आदेश नहीं आया है। इसलिए उपभोक्ताओं का कोरोना के समय का बिल छोड़कर शेष महीने का बिल जमा करें। वैसे तो दो हजार से ऊपर राशि वाले उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे जा रहे हैं।

बाड़ी की सड़क समस्या का मामला सांसद राव ने संसद में उठाया

बाड़ी। बरेली-होशंगाबाद संसदीय क्षेत्र के सांसद राव उदयप्रताप सिंह ने बाड़ी की सड़क का मामला संसद में उठाया है। यहां पर एनएच निर्माण में कई तरह की खामियों के साथ ही नगर के मध्य से निकलने वाली सड़क बदतर स्थिति में है। ऐसी स्थिति में इस मार्ग से आवागमन करने वाले वाहन चालक जहां गड्ढों और धूल के कारण परेशान हैं तो वहीं वाहनों में होने वाली टूट- फूट के कारण आर्थिक नुकसान भी उठाने को मजबूर हैं। नागिन मोड़ से सिंधी कैंप तक की लंबाई लगभग सात किलोमीटर है जो कि नवीन बायपास निर्माण के साथ ही मुख्य मार्ग से कट चुका है। ऐसी स्थिति में वाहन चालक परेशान हैं। नगर में छोटे-बड़े सभी व्यापारी जो वाहनों के नगर में प्रवेश नहीं करने के कारण आर्थिक नुकसान उठाने को मजबूर हैं। इस समस्या के समाधान को लेकर नगर के गणमान्य नागरिकों और व्यापारियों के द्वारा पूर्व में कई बार अधिकारियों सहित जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपा जा चुका है बावजूद आज दिनांक तक इस समस्या के समाधान को लेकर कोई कदम नहीं उठाए गए।

MONTHLY SUPER SAVER PACK
Premium Turmeric Powder 200Gm Rs.50/-
Premium Red Chili Powder 200Gm Rs. 60/-
Premium Coriander Powder 200Gm Rs.50/-
Premium Garam Masala Powder 200Gm Rs.120/-
Premium KHADA-GARAM Masala Mix 80Gm Rs.70/- (18 Raw Spices)
FREE !!!! 40 gm of HATH-KUTI Red Chili Powder
ONLY - 350/- (Per Month)
100 % PURE & NATURAL | NO ADDED COLOUR | NO PRESERVATIVE
We Use LTG (Low-Temprature-Grinding) Technique to maintain the oils of every SPICES !
Mother's Basket Kitchen herbs & Spices
SWAD JO PAUNCHE ♥ TAK Mothersbasketofficial | Mothersbasket | 7581952718,9826744064

~ Swad Jo Paunche ♥ Tak ~
Mother's Basket
The "GOLDEN" Dirt (Turmeric Powder)
• High curcumin content
• Clinically & Lab Tested
• No colur & Preservatives
Order Now : 9826744064
• 100% Pure & Natural Haldi Powder
• Best Immunity Booster Spice
"HALDI" Recommended By Ministry Of Ayush To Boost Immunity !

पहले दिन लगभग 12 हजार बच्चों को वैक्सीन लगाई

रायसेन। कलेक्टर अरविन्द कुमार दुबे ने बुधवार को 12 से 14 वर्ष आयु वर्ग के बालक और बालिकाओं का कोविड-19 वैक्सीनेशन अभियान का शुभारंभ किया गया। उन्होंने सभी माता-पिता, अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने 12 से 14 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को कोविड वैक्सीन जरूर लगवाएं। कलेक्टर दुबे ने वैक्सीन लगवाने वाले बच्चों से चर्चा भी की। इस दौरान सीएमएचओ डॉ. दिनेश खत्री, सिविल सर्जन डॉ. एके शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। शासन के निर्देशानुसार वर्ष 2008 एवं 2009 में जन्म लेने वाले सभी बालक और बालिकाएं कोविड-19 वैक्सीनेशन के पात्र हैं। वर्ष 2010 में जन्मे केवल वे बालकए बालिकाएं वैक्सीनेशन को पात्र होंगे जिन्होंने 12 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली है। गाइडलाइन का पालन करते हुए 12 से 14 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं के वैक्सीनेशन के सत्र केवल शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं और शालाओं में ही आयोजित किए जा रहे हैं। जिले भर में करीब 68 हजार बच्चों को वैक्सीनेशन का लक्ष्य है। पहले दिन लगभग 12 हजार बच्चों को वैक्सीन लगाई गई है। बाड़ी। 12 से 14 वर्ष तक के बच्चों को 28 दिन के अंतराज में दूसरी डोज लगाई जाएगी। पहली डोज बाड़ी में बुधवार को बच्चों को लगाई गई। बाड़ी अंतर्गत उत्कृष्ट विद्यालय में 100, एमपी कॉन्वेंट इंग्लिश एवं हिंदी मीडियम में 200, साईं ज्ञान मंदिर में 100, स्वामी विवेकानंद में 100, प्रगति हायर सेकंडरी में 100 एवं जवाहर नवोदय विद्यालय बाड़ी में 200 वैक्सीन छात्र- छात्राओं को लगाने के लिए भेजी गई। कोरोना से बच्चों को बचाने की दिशा में केंद्र सरकार ने अहम कदम उठाया है। जिसके तहत 23 मार्च से देशभर में अब 12 से 14 साल के बच्चों को भी कोरोना से बचाव का टीका लगना शुरू हो गया हैं। इस उम्र वर्ग के बच्चों के लिए सिर्फ कॉर्बेवैक्स वैक्सीन का इस्तेमाल किया जाएगा। बायोलॉजिकल.ई की वैक्सीन कॉर्बेवैक्स की दो खुराक बच्चों को 28 दिन के अंतराल पर दी जाएगी।

Mother's Basket
Kitchen Herbs & Spices
Swad jo pahuche dil tak
WE ARE IN..
100% Natural Blended & Raw Spices
Dry Fruits, Oils & Other kitchen Utilities

Mother's Basket
100% NATURAL PRODUCT
30+ Authentic Spices in our Basket !
To Order : call 9826744064

DESIGN BY THE NAME IS RUBEN
EVENT ORGANIZER RJ SAM NIGAM
JUST KNOCK EVENT AND MANPOWER
TIME TO MAKE YOUR DREAM TRUE
Star Events
Wedding Events
Corporate Events
Brand Promotion
Product Launch
Adventure Sports
Birthday Party
Celebrity
Management
Travel
Hospitality
photography
Videograohy
RJSAM68046@GMAIL.COM
CONTACT —9161003135

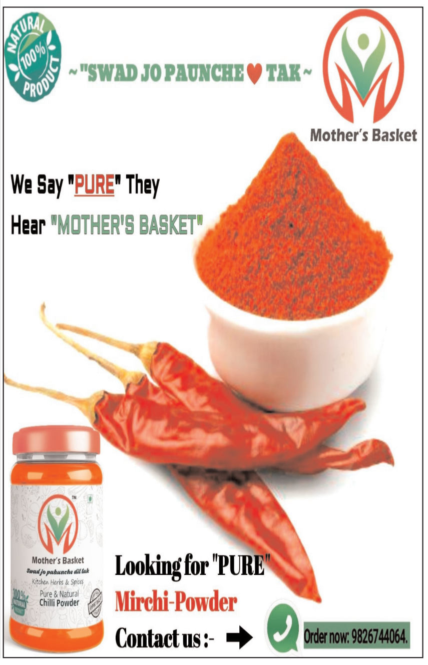
~ "SWAD JO PAUNCHE ♥ TAK" ~
Mother's Basket
We Say "PURE" They Hear "MOTHER'S BASKET"
Looking for "PURE" Mirchi-Powder
Contact us :-
Order now: 9826744064

विशाखा पाईप
प्रो. महेश नरवरिया
8770613406
7509776922
शासकीय अनुदान पर पाईप उपलब्ध है।
सभी प्रकार के साईजो मे पाईप उपलब्ध है।
स्प्रिंकलर सेट, पाईप लाइन सेट, ड्रिप सिस्टम, पी.वी.सी पाईप, मोटर आदि सब्सिडी पर उपलब्ध है।
M.D. & SONS
पता: वार्ड न. 15, ग्रीन वैली कॉन्वेंट नाका के सामने, सुल्तानपुर (रायसेन)

सलमान खान के बचाव में उतरीं राखी सावंत, जर्नलिस्ट केस पर बोलीं- 'उन्हें भी गुस्सा आ सकता है'

मुंबई। लोकल कोर्ट ने सलमान खान और उनके बॉडीगार्ड के खिलाफ समन जारी किया है और उन्हें 5 अप्रैल को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया है। सलमान खान और उनके बॉडीगार्ड पर एक पत्रकार के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप है। इतना ही नहीं, पत्रकार ने सलमान खान और उनके बॉडीगार्ड पर मारपीट करने का भी आरोप लगाया है। इस पूरे मामले पर राखी सावंत ने प्रतिक्रिया दी है। राखी ने सलमान खान का सपोर्ट किया है। राखी सावंत ने इस केस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए सलमान खान की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, कोई भी मीडिया कभी बुरा नहीं होता, लेकिन जब आप बड़े स्टार बन जाते हैं तो कुछ सवाल आपको चोट पहुंचाते हैं। सलमान की फिल्में सुपरहिट होती हैं, उन्हें चाहने वालों की संख्या लाखों में हैं लेकिन कहीं न कहीं उन्हें लाइफ में वो खुशियां नहीं मिली हैं। मुझे लगता है कि उनके पास सब कुछ है, लेकिन कई बार यह भी लगता है कि वह घाटे में भी हैं। अगर आप उनकी तकलीफ वाले हिस्से के बारे में बात करते हैं तो उन्हें भी परेशानी हो सकती है, वह भी इंसान हैं, उन्हें भी गुस्सा आ सकता है। इसके आगे राखी सावंत ने कहा, आपको शायद ये बात पता नहीं है कि सलमान खान हमेशा ही काफी तनाव में रहते हैं। जब उनकी फिल्में रिलीज होती हैं, तब वह अपने फैंस के सामने भी नहीं आना चाहते हैं। अगर कोई गलत सवाल करता है तो उन्हें गुस्सा आ सकता है। वह भी इंसान हैं इसलिए हो सकता है उन्होंने कुछ कह दिया हो। लेकिन मुझे नहीं लगता कि किसी को उनके खिलाफ केस फाइल करना चाहिए। साल 2019 में जर्नलिस्ट अशोक पांडे ने सलमान खान के खिलाफ शिकायत की थी और कहा था कि जब वह जुहू से कांदिवली अपने कैमरामैन के साथ कार से जा रहे थे। तभी उन्हें रास्ते में सलमान खान साइकलिंग करते हुए दिखे थे। इस दौरान वह सलमान खान का वीडियो बनाना चाहते थे और इसके लिए उन्होंने जब सलमान के दो बॉडीगार्ड से परमिशन मांगी और उन्हें परमिशन मिल भी गई। लेकिन उनका वीडियो बनाना शायद अभिनेता को पसंद नहीं आया। अभिनेता ने इसका विरोध किया। उन्होंने ये आरोप लगाया कि एक्टर के बॉडीगार्ड ने कथिक तौर पर जर्नलिस्ट के साथ मारपीट भी की।

वायरल: लॉस एंजेलिस में कैब ड्राइवर लेकर भागा स्वरा भास्कर का सामान

लॉस एंजेलिस में एक्ट्रेस स्वरा भास्कर का सामान चोरी हो गया है। उन्होंने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है साथ ही ट्वीट कर ओला कैब्स के खिलाफ शिकायत की है। दरअसल स्वरा भास्कर ने लॉस एंजेलिस में किराने का कुछ सामान खरीदा था जिसे उबर ड्राइवर लेकर भाग गया। सोशल मीडिया पर यूजर्स स्वरा भास्कर का मजाक उड़ा रहे हैं साथ ही ये भी कह रहे हैं कि ये उनके कर्मों का ही फल है। स्वरा भास्कर ने लिखा- आपका एक ड्राइवर मेरा सारा किराने का सामान अपनी कार में लेकर भाग गया। ऐसा लगता है कि आपके एप पर इसे रिपोर्ट करने का कोई तरीका नहीं है - यह कोई खोई हुई वस्तु नहीं है! उसने मेरा सामान चोरी किया है। क्या मुझे अपना सामान वापस मिल सकता है? स्वरा के इस ट्वीट पर तरह-तरह के रिएक्शन देखने को मिल रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है- उबर, आप इनपर भरोसा मत करना, ये फ्री के सामान के लिए ऐसा कुछ कर सकती है। वहीं एक यूजर ने लिखा- कृपया इन्हें जवाब देने का कष्ट न करें। लाइमलाइट में आने के लिए बेबुनियाद आरोप लगाने की इनकी आदत है। वहीं एक यूजर ने तो यह तक कह दिया कि सब कर्मों का फल है। बता दें स्वरा इससे पहले कश्मीर फाइल्स फिल्म पर बयान देकर चर्चा में थीं। स्वरा भास्कर ने फिल्म पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए ट्वीट कर लिखा था, अगर आप चाहते हैं कि लोग आपको सफलता के लिए आपकी मेहनत को बधाई दे तो पहले बीते 5 साल में उनके सिर पर बैठकर कचरा तो मत फैलाइए। हालांकि इस बयान के बाद स्वरा की काफी आलोचना की गई थी।

राजामौली की फिल्म ने एडवांस बुकिंग में 'पुष्पा' को पीछे छोड़ा, अमेरिका में प्रीमियर से कमाए इतने करोड़

हिंदी और तेलुगू सिनेमा के बीच फिल्म चल रहे मुकाबले में 'द कश्मीर फाइल्स' के फिल्म 'राधे श्याम' पर भारी पड़ने से हिंदी सिनेमा का पलड़ा भारतीय सिनेमा की कुल कमाई में एक बार फिर से वजनी हो गया है। अब बारी एक और तेलुगू फिल्म 'आरआरआर' (ऋ्रूक्र) की है। इस फिल्म के सामने कोई दूसरी हिंदी फिल्म रिलीज ही नहीं हो रही है। ये फिल्म हिंदी के अलावा तमिल, मलयालम और कन्नड़ में भी रिलीज होने वाली है। फिल्म की ताबड़तोड़ एडवांस बुकिंग की जानकारी हम आपको दे ही चुके हैं। ताजा आंकड़े जो 'अमर उजाला' ने हैदराबाद से हासिल किए हैं, उसके मुताबिक फिल्म 'आरआरआर' ने एडवांस बुकिंग में अल्लू अर्जुन की बीते साल रिलीज हुई फिल्म 'पुष्पा द राइज' का रिकॉर्ड तो तोड़ा ही है, इस साल सबसे ज्यादा एडवांस बुकिंग का रिकॉर्ड बनाने वाली पवन कल्याण की फिल्म 'भीमला नायक' का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। चार साल में बनकर तैयार हुई अब तक की सबसे ज्यादा बजट वाली फिल्म 'आरआरआर' को रिलीज होने में अब बस कुछ ही घंटे बाकी हैं। फिल्म का अमेरिका में प्रीमियर गुरुवार को ही होने जा रहा है। और, वहां से मिले आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने प्रीमियर की इन टिकटों से ही करीब 22 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। यहां देश में तेलुगू संस्करण के लिए खुली एडवांस बुकिंग में कुछ शोज ऐसे भी बिके हैं जिन्हें चैरिटी के लिए पांच हजार रुपये प्रति टिकट के हिसाब से भी बेचा जा रहा है। आंध्र प्रदेश में फिल्म की टिकटों में बढ़ोत्तरी के लिए राज्य सरकार ने छूट दी है। आमतौर पर वहां की सिनेमा टिकटों की दरें सरकार फिक्स रखती है।

'बाहुबली' की ओपनिंग 121 करोड़ रुपये

अगर किसी भारतीय फिल्म की अब तक की सबसे बड़ी पहले दिन की ओपनिंग का इतिहास देखें तो ये तमगा निर्देशक एस एस राजामौली की ही फिल्म 'बाहुबली 2' के नाम है। इस फिल्म ने सभी भाषाओं के संस्करणों को मिलाकर पहले ही दिन 121 करोड़ रुपये की ओपनिंग ली थी। फिल्म 'आरआरआर' के लिए ये आंकड़ा पार करना आसान नहीं होगा और बहुत कुछ इसके हिंदी संस्करण की ओपनिंग पर भी निर्भर करेगा।

एडवांस बुकिंग में अब तक सात करोड़

फिल्म 'आरआरआर' (ऋ्रूक्र) ने बुधवार को एडवांस बुकिंग में सात करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया। ये किसी तेलुगू फिल्म की बॉक्स ऑफिस पर फिल्म के रिलीज होने के पहले की अब तक की सबसे बड़ी बुकिंग बताई जा रही है। माना जा रहा है कि फिल्म की रिलीज होने तक फिल्म सिर्फ एडवांस बुकिंग में 10 करोड़ का आंकड़ा पार कर जाएगी। इसके पहले किसी तेलुगू फिल्म की सबसे बड़ी एडवांस बुकिंग का रिकॉर्ड इसी साल फरवरी में रिलीज हुई फिल्म 'भीमला नायक' का रहा है जिसने एडवांस बुकिंग में 6.30 करोड़ रुपये कमाए थे। बीते साल फिल्म 'पुष्पा पार्ट वन' की एडवांस बुकिंग 6.14 करोड़ रुपये रही थी। फिल्म 'आरआरआर' अकेले हैदराबाद में 700 स्क्रीन्स पर रिलीज हो रही है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना को मिलाकर फिल्म के पहले दिन सिर्फ इन्हीं दो राज्यों में 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा छू लेने के आसार बनते दिख रहे हैं। फिल्म को तेलुगू संस्करण के बाद सबसे ज्यादा उम्मीद इसके हिंदी संस्करण से है, जिसके लिए फिल्म के निर्देशक एस एस राजामौली ने हिंदी के दो बड़े सितारों अजय देवगन और आलिया भट्ट को फिल्म में लिया है। माना जा रहा है कि फिल्म हिंदी भाषी राज्यों में 15 करोड़ रुपये के आसपास की ओपनिंग लेने में कामयाब रहेगी।

जनता की बेहद मांग पर लौटे पवनदीप राजन व अरुणिता कांजीलाल, जल्द दिखेंगे इस म्यूजिक रियलिटी शो में

सुपर स्टार सिंगर सीज़न 1 की जबर्दस्त सफलता के बाद सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन बच्चों के लिए अपने घरेलू सिंगिंग रियलिटी शो सुपरस्टार सिंगर का एक और धमाकेदार सीज़न लेकर आ रहा है। सिंगिंग का कल सेलिब्रेट करते हुए सुपरस्टार सिंगर देश भर के कुछ असाधारण नन्हें गायकों को पेश करेगा, जिनमें खास तरह के म्यूज़िकल एक्सप्रेशन्स के साथ-साथ समर्पण और लगन भी है। इन यंग सिंगिंग टैलेंट का हुनर संवारने और उन्हें मार्गदर्शन देने के लिए कैप्टंस का एक पूरा पैनल नियुक्त किया जाएगा। इंडियन आइडल सीजन 12 की फाइनलिस्ट अरुणिता कांजीलाल सुपरस्टार सिंगर के आगामी सीजन में कैप्टन की भूमिका निभाती नजर आएंगी। अपनी मनमोहक आवाज से लाखों दिलों को जीतने के बाद पश्चिम बंगाल की यह सुरीली गायिका देश भर की नन्हीं होनहार आवाजों के लिए एक प्रेरणा साबित हो सकती हैं। इस सीज़न के लिए बेस्ट की तलाश में अरुणिता देश के कोने-कोने में पहुंचीं, ताकि वे ऐसी नायाब और बेमिसाल आवाजें खोज सकें, जो इस देश ने इससे पहले कभी देखी या सुनी ना हों।

पेट्रोल-डीजल के दाम कम कैसे होंगे

आप 100 रुपए कीमत चुकाते हैं, इसमें 52 रुपए सरकार के पास जाता है; टैक्स घटे तो दाम भी घटेगा

नई दिल्ली। पेट्रोल और डीजल के दाम जिस तेजी के साथ बढ़ रहे हैं, उस पर आमदनी अठन्नी, खर्चा रुपइया कहावत बिल्कुल सही बैठती है। दरअसल, पिछले 3 साल में आम आदमी की कमाई जहां घटी है वहीं पेट्रोल-डीजल पर टैक्स से सरकार ने करोड़ों की कमाई की है। आज जब आप 100 रुपए का पेट्रोल डलवाते हैं तो इसमें से 52 रुपए टैक्स के रूप में सरकार की जेब में जाता है। इससे आम लोगों की जेब खाली हुई, वहीं, सरकार का खजाना तेजी से भरता गया। ऐसे में अगर सरकार चाहे तो टैक्स में कटौती करके आम आदमी को राहत दे सकती है।

महाराष्ट्र टैक्स वसूलने में सबसे आगे

महाराष्ट्र में अगर आप 100 रुपए का पेट्रोल डलवाते हैं तो इसमें से 52.50 रुपए केंद्र व राज्य सरकार की जेब में जाते हैं। ऐसे ही अगर आप दिल्ली में 100 रुपए का पेट्रोल भरवाते हैं तो इसमें से 45.3 रुपए सरकार की जेब में जाते हैं।

निसान मैग्नाइट का माइलस्टोन

डिमांड के चलते कंपनी ने 50 हजार यूनिट बेची; कम कीमत के चलते से काइगर, ब्रेजा, नेक्सन से मुकाबला

नई दिल्ली। बिग बोल्ड ब्यूटीफुल यानी निसान मैग्नाइट। दिसंबर 2020 में इस स्ड्ड को महज 4.99 लाख रुपए में लॉन्च किया गया था। देखते ही देखते ये कार भारतीय बाजार में सुपरहिट हो गई। अब इसे दुनियाभर के 15 देशों में बेचा जा रहा है। ये 50 हजार यूनिट बिकने का माइलस्टोन तैयार कर चुकी है। अब मैग्नाइट की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 5.76 लाख रुपए हो चुकी है। इसमें दो पेट्रोल इंजन ऑप्शन मिलते हैं। पहला 72 पावर वाला 1.0-लीटर पेट्रोल इंजन दिया है। दूसरा 100द्बश्च पावर वाला 1.0-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन है। कार को 5-स्पीड मैनुअल और CVT ऑटोमैटिक गियरबॉक्स में खरीद सकते हैं।

भारतीय बाजार की पॉपुलर

भारतीय बाजार में इसका मुकाबला रेनो काइगर, मारुति सुजुकी विटारा ब्रेजा, टाटा नेक्सन, किआ सोनेट, हुंडई वेन्यू, महिंद्रा 300 और टोयोटा अर्बन क्रूजर से होता है। इन सभी स्ड्ड की तुलना में निसान मैग्नाइट की कीमत काफी कम है। इसी वजह से इस कार को बाजार में पसंद किया जा रहा है। इसकी डिमांड बढ़ रही है।

निसान मैग्नाइट को क्रैश टेस्ट में 4-स्टार रेटिंग मिली: क्रैश टेस्ट के दौरान मैग्नाइट को एडल्ट प्रोटेक्शन टेस्ट में 4-स्टार रेटिंग मिली। इसे टेस्ट के दौरान 17 में से 11.85 पॉइंट मिले। दूसरी तरफ, चाइल्ड प्रोटेक्शन टेस्ट में इसे 2-स्टार रेटिंग ही मिली। इसे टेस्ट के दौरान 49 में से 24.88 पॉइंट मिले। यानी चाइल्ड सेफ्टी क्रैश टेस्ट के दौरान ये फेल रही। मैग्नाइट के टॉप वर्जन में व्हीकल डायनेमिक्स कंट्रोल, ट्रैक्शन कंट्रोल और हिल स्टार्ट असिस्ट जैसे फीचर्स दिए हैं। इसमें पीछे की तरफ ISOFIX चाइल्ड-सीट माउंट भी है। EBD के साथ ABS, डुअल एयरबैग्स और रियर पार्किंग सेंसर्स दिए हैं। इसमें 360 डिग्री कैमरा दिया गया है। तंग एरिया में पार्किंग के दौरान ये काफी काम आएगा।

एस्टेरिया एयरोस्पेस का स्काईडेक प्लटेफॉर्म लॉन्चः क्लाउड-बेस्ड प्लेटफॉर्म कृषि सर्वेक्षण, औद्योगिक निरीक्षण को सॉल्युशन्स देगा;AI से डेटा के विश्लेषण होगा

नई दिल्ली। जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड की सब्सिडरी और भारत में ड्रोन बनाने वाली कंपनी एस्टेरिया एयरोस्पेस ने एंड-टू-एंड ड्रोन ऑपरेशन प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है। स्काईडेक नाम का यह प्लेटफॉर्म एक क्लाउड-आधारित सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म है जो कृषि, सर्वेक्षण, निगरानी, औद्योगिक निरीक्षण व सुरक्षा जैसे क्षेत्रों के लिए एंड-टू-एंड ड्रोन सॉल्युशन्स मुहैया कराता है।

AI से डेटा के विशलेषण की सुविधा मिलेगी

स्काईडेक दरअसल एक सेंट्रलाइज्ड मैनेजमेंट सिस्टम है जो ड्रोन की उड़ानों के विभिन्न आयामों और उनसे जुड़े डेटा को दर्ज करता है और विशेष रूप से डेवलेप किए गए एक डेशबोर्ड पर उन्हें प्रदर्शित करता है। ड्रोन डेटा की प्रोसेसिंग, डेटा के विजुअलाइजेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से डेटा के विशलेषण की सुविधा भी इस प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। इसके अलावा ड्रोन की उड़ानों को शेड्यूल करने से लेकर ड्रोन बेड़े के प्रबंधन का काम भी इस सॉफ्टवेयर से किया जा सकता है।

एस्टेरिया भारत में अग्रणी ड्रोन निर्माता

एस्टेरिया एयरोस्पेस के सह-संस्थापक और निदेशक, नील मेहता ने कहा,ड्रोन संचालन के लिए नियमों को सरल बनाने और सरकार द्वारा ड्रोन सेक्टर को बढ़ावा देने से इसकी मांग में वृद्धि हुई है। एस्टेरिया पहले से ही भारत में अग्रणी ड्रोन निर्माताओं में से एक है। स्काईडेक के लॉन्च के साथ ही हम हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और संचालन सॉल्युशन्स जैसी तमाम सुविधाएं, एक इंटीग्रेटेड प्लेटफॉर्म के जरिए मुहैया करा रहे हैं। स्काईडेक ड्रोन के उपयोग को सरल बनाने, उड़ान संबंधित डेटा दर्ज करने और एकत्रित डिजिटल डेटा को बिजनेस आइडिया में बदलने में मदद करता है।

कृषि क्षेत्र के तस्वीर बदलेगी

स्काईडेक का एंड टू एंड सॉल्युशन कृषि क्षेत्र के तस्वीर बदलने की ताकत रखता है। इसका उपयोग फसल के लक्षणों को सटीक रूप से मापने, कीड़े, खाद, पानी आदि की निगरानी करने के लिए किया जा सकता है। निर्माण और खनन उद्योगों के लिए, स्काईडेक प्रगति की निगरानी और सटीक इन्वेंट्री रिकॉर्ड बनाए रखने के लिए साइट सर्वेक्षण करने के लिए ड्रोन-आधारित हवाई डेटा का उपयोग करता है। तेल और गैस, दूरसंचार, और बिजली जैसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा क्षेत्रों के लिए, स्काईडेक रखरखाव, खतरों की पहचान करने और बदलावों को रिकॉर्ड करने के लिए संपत्तियों का डिजिटलीकरण और निरीक्षण करने के लिए ड्रोन की शक्ति का उपयोग करता है। स्काईडेक विभिन्न सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों जैसे स्वमित्वा योजना, स्मार्ट सिटीज, एग्रीस्टैक और अन्य विकास परियोजनाओं में ड्रोन के बेड़े के सफल कार्यान्वयन में भी मदद कर सकता है।

एक और बैंक मुश्किल में: पीपुल्स को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस कैंसिल, RBI ने कहा- बैंक की फाइनेंशियल कंडीशन ठीक नहीं

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने उत्तर प्रदेश में पीपुल्स को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड का लाइसेंस रद्द कर दिया है। बैंक की खराब वित्तीय स्थिति और कमाई की संभावनाएं नहीं होने की वजह से ऋद्ब ने यह कदम उठाया है। उत्तर प्रदेश के सहकारिता आयुक्त और सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार को भी बैंक को बंद करने और लिक्विडेटर अपॉइंट करने का आदेश जारी करने के लिए कहा गया है। नियामक ने कहा कि बैंक वित्तीय स्थिति ठीक नहीं होने के बाद भी अगर इसे अपना कारोबार जारी रखने की अनुमति दी जाती है तो ये जनहित में नहीं होगा। बैंक का लाइसेंस कैंसिल होने के कारम खाताधारकों को अब डर सता रहा है कि उनकी जमा पूंजी का क्या होगा। हालांकि, लिक्विडेशन पर 99त्न खाताधारकों को डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कोर्पोरेशन एक्ट, 1961 के नियम के तहत उनकी जमा पूंजी मिल जाएगी।

5 लाख तक की राशि मिलेगी: जमाकर्ता को DICGC 5 लाख रुपए तक की राशि देगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2021 के बजट में DICGC एक्ट में संशोधन का प्रस्ताव रखा था। इसके पीछे मकसद था कि अगर कोई बैंक अस्थायी रूप से अपने दायित्वों का निर्वाह करने में असफल हो जाता है तो जमाकर्ताओं को आसानी से और समय से उनकी 5 लाख रुपए तक की जमा राशि मिल सके। इस साल पीपुल्स को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड ऐसा चौथा बैंक है जिस पर RBI ने कार्रवाई की है। सरजेरोदादा नायक शिराला सहकारी बैंक, इंडिपेंडेंस को-ऑपरेटिव बैंक और मंथा अर्बन कोऑपरेटिव बैंक के लाइसेंस रद्द किए गए थे। ये तीनों बैंक महाराष्ट्र के हैं। इन सभी बैंकों को भी बंद करने का कारण भी कमजोर वित्तीय स्थिति और कमाई की संभावनाएं थीं। RBI के मुताबिक इन तीनों मामलों में भी 99% जमाकर्ताओं को उनका पैसा DICGC से वापस मिल जाएगा।

निवेश के बारे में जानना जरूरी

महिलाओं को फाइनेंशियल सेविंग का हिस्सा होना चाहिए

मुंबई। महिलाओं को शुरु से ही फाइनेंशियल सेविंग का हिस्सा होना चाहिए। यानी उन्हें जितने भी निवेश के साधन हैं, उनकी जानकारी होनी चाहिए और साथ ही निवेश करना भी चाहिए। यह आपके आपातकाल के समय में बहुत मददगार हो सकता है। बीमा रेगुलेटर इंश्योरेंस रेगुलेटरी डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया और सेबी के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटी मार्केट में रजिस्टर्ड प्रियंका आचार्य अब तक देशभर में 300 से अधिक फाइनेंशियल अवेयरनेस का कार्यक्रम कर चुकीं हैं। वे बताती हैं कि महिलाएं अगर शुरू से ही फाइनेंशियल सेविंग का हिस्सा बनें तो उनके लिए यह काम आ सकता है। उदाहरण के तौर पर कैफे कॉफी डे के मालिक जब नहीं रहे, तब उनकी पत्नी ने पूरी कंपनी को न सिर्फ अच्छे से चलाया, बल्कि उसका कर्ज भी कम कर दिया और आज कंपनी अच्छे से चल रही है। वे जल्द ही IVM पॉडकास्ट पर एक चुस्की फाइनेंस के साथ आ रही हैं। उनका शो 22 मार्च से शुरू हो रहा है। यह शो पूरी तरह से महिलाओं पर आधारित होगा। वे बताती हैं कि सबसे पहले महिलाओं को फाइनेंस के साथ डेवलप होने पर ध्यान देना चाहिए। परिवार के फाइनेंशियल मामले में खुद को शामिल करना बुद्धिमानी है। वित्तीय जरूरतों की एक छोटी सी चेकलिस्ट और फिर एक लगातार कोशिश सफल बना सकती है।

एजुकेशन लोन लेने से पहले तैयार कर लें पेमेंट प्लान

नई दिल्ली। कोविड के चलते करीब 2 साल एजुकेशन सिस्टम अस्त-व्यस्त था। इसके चलते एजुकेशन लोन का बाजार भी ठंड रहा। लेकिन अब कोरोना का असर कम हो रहा है। कॉलेज और यूनिवर्सिटी खुलने लगे हैं। इस बीच दाखिलों का सीजन शुरू हो गया है। प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी, मेडिकल कॉलेजों और इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूशंस में एडमिशन के लिए प्रतियोगी परीक्षाएं शुरू हो रही हैं। दिक्कत यह है कि साल-दर-साल शिक्षा महंगी होती जा रही है। ऑल इंडिया सर्वे ऑफ हायर एजुकेशन के मुताबिक आज की तारीख में किसी लीडिंग प्राइवेट बिजनेस स्कूल से एमबीए करने का खर्च करीब 20 लाख रुपए है। पांच साल पहले यह खर्च 10-12 लाख रुपए था। ऐसे में कई परिवारों को एजुकेशन लोन की जरूरत होगी। हालांकि, इस लोन की मदद से पढ़ाई पूरी करने पर अच्छी तनख्वाह वाली नौकरी न मिलने का जोखिम और कई साल तक कर्ज में डूबे रहने की आशंका बनी रहती है। लेकिन यदि स्मार्ट तरीके से लोन पेमेंट की प्लानिंग पहले ही कर ली जाए तो इस परेशानी से बचा जा सकता है। आइए पैसाबाजार डॉट कॉम के सीनियर डायरेक्टर साहिल अरोड़ा से जानते हैं कैसेज

एजुकेशन लोन लेने से पहले इन चार बातों का रखें ध्यान: 1. लोन की राशि

लोन की राशि इतनी होनी चाहिए कि कोर्स फीस के अलावा पढ़ाई के अन्य बड़े खर्चे भी कवर हो जाएं। हॉस्टल फीस, लैपटॉप और किताबों पर खर्च इसमें शामिल है। देश-विदेश में पढ़ाई के लिए अधिकतम लोन राशि क्रमशः 10 लाख और 20 लाख रुपए है। हालांकि, आईआईएम, आईआईटी और आईएसबी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में पढ़ाई के लिए कुछ बैंक या गैर-बैंकिंग कंपनियां (NBFC) इससे ज्यादा लोन भी मंजूर कर सकती हैं।

एपल की सर्विस डाउन: एपल की म्यूजिक, टीवी, ऐप स्टोर सर्विस हुई ठप; घंटो बाद दूर हुई दिक्कत

नई दिल्ली। एपल की म्यूजिक, एपल टीवी+, ऐप स्टोर, पॉडकास्ट, कॉन्टेक्ट्स और एपल आर्केड सहित करीब दर्जन वेब सेवाएं सोमवार को दुनिया के कई हिस्सों में बंद हो गईं। एपल ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि सभी सेवाएं सोमवार दोपहर एक आउटेज के बाद फिर से शुरू हो गई हैं। कंपनी के सिस्टम स्टेटस पेज ने पॉडकास्ट, म्यूजिक और आर्केड सहित 11 आउटेज दिखाए थे।

लोगों ने सोशल मीडिया पर जानकारी शेयर की: एपल सर्विस अप-टाइम डैशबोर्ड के मुताबिक, भारत में यूजर्स को आई क्लाउड के कुछ फीचर इस्तेमाल करने में दिक्कत हुई। भारतीय यूजर्स को खासकर कैलेंडर, कॉन्टैक्ट्स और प्राइवेट रिले के साथ एपल मैप्स और फाइंड माय नेटवर्क जैसी सर्विसेस यूज करने में दिक्कत हो रही थी। घंटों बाद ठीक हुई दिक्कत दुनियाभर के अलग-अलग हिस्सों में यूजर्स को दिक्कत हो रही थी। कई हिस्सों में लोग सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी शेयर कर रहे हैं। हालांकि, एपल ने इस दिक्कत को दूर कर लिया है।

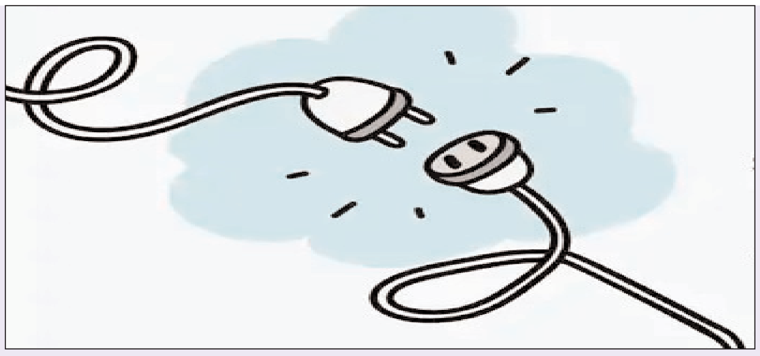

आवश्यकता
युवा प्रदेश नेटवर्क
मध्यप्रदेश के सभी जिले व तहसीलों में संवाददाता नियुक्त किये जाने है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।
युवा प्रदेश नेटवर्क,
प्रधान संपादक–नागेश नरवरिया
मो.- 9425156055-9755364204

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)